राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 01 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-132 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हमारी संस्कृति सभी जीवों में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है : राष्ट्रपति मुर्मू

दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं राष्ट्रपति ने बच्चों को दिए जीव कल्याण के मंत्र

बरेली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को यूपी के बरेली में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। इस मौके पर उन्होंने कहा हमारी संस्कृति ईशावास्यम् इदं सर्वम् के जीवन मूल्य पर आधारित है, जो सभी जीवों में ईश्वर को देखती है। हमारे देवताओं और ऋषियों ने पशुओं से संवाद करने की मान्यता भी इसी सोच पर आधारित है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने दीक्षांत समारोह में छात्रों से कहा कि मनुष्य का वनों और वन्य जीवों के साथ सह-अस्तित्व का रिश्ता है। कई प्रजातियां या तो विलुप्त हो गई या विलुप्त होने की कगार पर हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन प्रजातियों का संरक्षण जैव विविधता और पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए अहम है। ईश्वर ने मनुष्य को जो सोचने-समझने की शक्ति दी है, उसका इस्तेमाल सभी जीवों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने मानव जाति को चेताया है कि उपभोग पर आधारित संस्कृति न केवल मानव जाति को बल्कि अन्य जीव-जंतुओं और पर्यावरण को भी अकल्पनीय क्षति पहुंचा सकती है। आज दुनिया भर में एक स्वास्थ्य की अवधारणा को महत्व दिया जा रहा है। यह अवधारणा मानती है कि मनुष्य, पालतू और जंगली जानवर, वनस्पतियां और व्यापक पर्यावरण सभी एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

हमें पशु कल्याण की कोशिश करनी चाहिए। एक प्रमुख पशु चिकित्सा संस्थान के रूप में आईवीआरआई इस क्षेत्र में अहम भूमिका निभा सकता है, खासकर जूनोटिक बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण में।

राष्ट्रपति ने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तरह प्रौद्योगिकी में पशु चिकित्सा और देखभाल में भी क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता है। प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से देशभर के पशु चिकित्सालयों को सशक्त बनाया जा सकता है। जीनोम एडिटिंग, भ्रूण स्थानांतरण तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल इस क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। उन्होंने आईवीआरआई जैसे संस्थानों से पशुओं के लिए स्वदेशी और कम लागत वाले उपचार और पोषण खोजने की अपील की।

उन्होंने कहा कि उन्हें उन दवाओं के विकल्प भी तलाशने चाहिए, जिनके दुष्प्रभाव न केवल पशुओं, बल्कि मनुष्यों और पर्यावरण को

भी प्रभावित करते हैं। राष्ट्रपति ने छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने बेजुबान जानवरों के इलाज और उनके कल्याण को अपना करियर बनाया है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे अपने जीवन और करियर में किसी दुविधा की स्थिति में उन जानवरों के बारे में सोचें। इससे उन्हें सही रास्ता मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से वे न केवल जरूरतमंदों को रोजगार दे पाएंगे, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी योगदान देंगे।

पहला कॉलम

पाकिस्तानी आतंकियों का गाइड गिरफ्तार

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा, घुसपैठ में कर रहा था मदद

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में केरी सेक्टर में रविवार को नियंत्रण रेखा के पास एक बड़ी घुसपैठ को सेना ने नाकाम कर दिया। इस ऑपरेशन में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक पाकिस्तानी गाइड को पकड़ लिया है। पकड़े गए युवक की पहचान 22 वर्षीय मोहम्मद आरिब अहमद के रूप में हुई है, जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के कोटली जिले के निकियाल इलाके के डेटोटे गांव का रहने वाला है। सेना के मुताबिक, पकड़ा गाइड आतंकियों की घुसपैठ में मदद कर रहा था। आतंकियों ने घने जंगल और कठिन पहाड़ी इलाके का फायदा उठाकर एलओसी पार करने की कोशिश की थी। सेना की गोलीबारी के बाद दूसरे आतंकी भाग गए। दरअसल, सेना और बीएसएफ ने खुफिया सूचना के आधार पर संयुक्त ऑपरेशन चलाया था। केरी सेक्टर में 4 से 5 हथियार लैस आतंकियों की संदिग्ध गतिविधियों को जवानों ने ट्रैक किया और तुरंत कार्रवाई की।

आतंकियों के पास भारी मात्रा में गोला-बारूद

सर्च ऑपरेशन के दौरान सेना ने गाइड के पास से एक मोबाइल फोन, पाकिस्तानी करेंसी बरामद की है। शुरुआती पूछताछ में आरिब ने कबूल किया कि वह पाकिस्तान सेना की मदद से इस घुसपैठ का हिस्सा बना था और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों को रास्ता दिखा रहा था। उसने यह भी बताया कि आतंकियों के पास भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद थे। फिलहाल पकड़े गए गाइड से संयुक्त पूछताछ टीम द्वारा विस्तार से पूछताछ की जा रही है। सेना अधिकारी का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से एलओसी पर निगरानी और भी कड़ी कर दी है और पुंछ-राजौरी जिलों में सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय वायुसेना के मुरीद हुए दो देश

नई दिल्ली।

भारतीय सेना की ताकत और युद्ध लड़ने की क्षमता पर दो देशों ने बड़ा बयान आया है। थाईलैंड और ग्रीस ने भारतीय सेना के शौर्य और ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की है। थाईलैंड की वायु सेना ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर को आधुनिक युद्ध का मास्टरक्लास बताया है। रॉयल थाई फोर्स ने आधिकारिक बयान में कहा है कि भारतीय वायुसेना ने कैसे एक साथ नौ आतंकी ठिकानों और पाकिस्तान के 11 एयरबेस को गहराई में जाकर तबाह किया और वहां बिना एक भी पायलट को नुकसान पहुंचे। थाईलैंड ने माना कि भारत ने मल्टीलेयर एयर डिफेंस, साइबर ऑपरेशन और डीप स्ट्राइक रणनीति का ऐसा संगम दिखाया है, जो दुनिया में विरले ही देखने को मिलता है। वहीं, ग्रीस ने कहा है कि उसके देश को भारत से आधुनिक युद्ध की कला सीखने की जरूरत है, खासकर तुर्की जैसे विस्तारवादी देश के खतरे को देखते हुए। ग्रीस की सेना को भारतीस सेना से बहुत कुछ सीखने की जरुरत है। तुर्किए ग्रीस के कई आईलैंड पर अपना दावा ठोकता है। तुर्किए ने साइप्रस के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर रखा है। ऐसे में पूरी दुनिया में स्थिति चल रही है कि तुर्किए ग्रीस पर हमाल भी कर दे। इस अखबार ने कहा है कि तुर्किए ग्रीस पर हमला करने के लिए पाकिस्तान की मदद ले सकता है। इसतरह से ग्रीस को तुरंत अपने डिफेंस सेक्टर में भारी भरकम निवेश की जरूरत है। ग्रीस को भारत से युद्ध लड़ने की कला सीखने की जरूरत है।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाका: 10 मजदूरों की मौत, 20 घायल

पशमिलाराम के सिगाची इंडस्ट्री में रिएक्टर फटने से लगी आग, कई श्रमिक अब भी फंसे होने की आशंका

हैदराबाद।

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के निकट संगारेड्डी के पशमिलाराम इंडस्ट्रियल एस्टेट में सोमवार सुबह एक केमिकल फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट से कम से कम 10 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसा सिगाची फार्मा कंपनी में उस समय हुआ जब फैक्ट्री के रिएक्टर में तेज धमाके के साथ विस्फोट हो गया। विस्फोट के साथ ही तेज आग फैल गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई मजदूर जान बचाने के लिए भागते नजर आए।

हादसा जिले के पाशमिलारम औद्योगिक क्षेत्र में स्थित सिगाची केमिकल इंडस्ट्री में सुबह लगभग 7 बजे हुआ। घटना पर तेलंगाना फायर डिपार्टमेंट ने बताया, कि मौके पर 11 दमकल गाड़ियां और कई एंबुलेंस तैनात की गई हैं। अब तक 14 घायलों को फैक्ट्री से बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना में जहां 10 मजदूरों की मौत हो गई, जिसकी फिलहाल आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है वहीं करीब 20 लोगों के घायल होने की खबर है। कुछ श्रमिकों के अंदर फंसे होने की आशंका बनी हुई है। पुलिस और फायर अधिकारियों ने पुष्टि की है कि घटना का कारण रिएक्टर विस्फोट ही प्रतीत होता है। सीनियर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

हादसे के बाद फैक्ट्री के आस-पास दहशत

घटना के बाद से पशमिलाराम औद्योगिक क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने सुरक्षा उपायों की कमी और औद्योगिक लापरवाही को

लेकर चिंता जाहिर की है। यह हादसा चेरलापल्ली में दो महीने पहले हुए तेल टैंकर में आग की घटना के बाद सामने आया है। लगातार हो रही ऐसी घटनाएं औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

उज्जैन के महाकाल मंदिर में श्रावण में कांवड़ यात्रियों को मिलेगी वीआईपी सुविधा

मंदिर समिति ने कांवड़ यात्रियों के लिए चार नंबर गेट से प्रवेश की व्यवस्था की

उज्जैन।

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में अब तक नेता, अधिकारियों आदि को ही विशेष प्रवेश द्वार से प्रवेश की सुविधा मिलती है, लेकिन अब श्रावण मास में देशभर से आने वाले कांवड़ यात्रियों को इस सुविधा का लाभ मिलने जा रहा है। मंदिर समिति ने सैकड़ों किलोमीटर की पद यात्रा का भगवान महाकाल का जलाभिषेक करने आने वाले कांवडियों के लिए चार नंबर गेट से प्रवेश की व्यवस्था की है। वर्तमान में यह द्वार 250 रुपये के शीघ्र दर्शन टिकट वाले श्रद्धालुओं के लिए आरक्षित है। कांवड़ यात्री महाकालेश्वर अन्नक्षेत्र में निश्शुल्क महाप्रसादी भी ग्रहण कर सकेंगे। **देशभर से आएंगे कांवड़ यात्री** श्रावण मास में देशभर से हजारों कांवड़ यात्री गंगा, नर्मदा सहित अन्य प्रमुख नदियों का जल लेकर भगवान महाकाल का जलाभिषेक करने उज्जैन आते हैं। इस बार भी 11 जुलाई से नौ अगस्त श्रावणी पूर्णिमा तक संपूर्ण श्रावण मास में भगवान के जलाभिषेक का सिलसिला चलेगा। दूरदराज से सैकड़ों किलोमीटर की पद यात्रा करते हुए महाकाल के दर आने वाले कांवड़ यात्रियों को भगवान के जलाभिषेक में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो, इसलिए इनके प्रवेश की व्यवस्था चार नंबर गेट से की गई है। इस विशेष द्वार से कांवड़ यात्री मंदिर में प्रवेश कर विश्राम धाम, सभा मंडप के रास्ते गणेश व कार्तिकेय मंडपम् में पहुंचेंगे तथा यहां लगे जलपात्र से जल अर्पण कर निर्धारित व्यवस्था अनुसार मंदिर के बाहर निकलेंगे। कावड़ यात्रियों को विशेष द्वार से प्रवेश की सुविधा सप्ताह में चार दिन मंगलवार से शुक्रवार तक सुबह छह बजे से शाम 4 बजे तक मिलेगी। शनिवार, रविवार व सोमवार को अत्यधिक भीड़ होने से यह व्यवस्था स्थगित रहेगी। हालांकि कांवड़ यात्री भीड़ भरे इन दिनों में भी भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर सकेंगे। इसके लिए उन्होंने श्री महाकाल महालोक के नंदी द्वार से सामान्य दर्शनार्थियों की कतार में लगना पड़ेगा। **दो स्थानों पर लगेंगे जल पात्र** श्रावण में भगवान महाकाल का जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर में दो स्थान सभा मंडप व कार्तिकेय मंडपम में जल पात्र लगाए जाएंगे। भक्त इन पात्रों में जल अर्पण करेंगे और जल पाइप के माध्यम से भगवान को अर्पित होगा। बता दें आम दिनों में भगवान महाकाल को केवल आरओ जल ही अर्पित किया जाता है।

पश्चिमी तौर-तरीके सीखो अन्यथा अपने पिछड़े देश जाओ, अमेरिकी सांसद ने जोहरान को हाथ से खाना खाने को लेकर घेरा

न्यूयॉर्क में मेयर उम्मीदवार हैं भारतीय मूल के जोहरान, सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

वॉशिंगटन डीसी।

भारतीय मूल के न्यूयॉर्क मेयर पद के उम्मीदवार जोहरान ममदानी का हाथ से दालख-चावल खाना कुछ लोगों को भाया नहीं है। यहां तक कि एक अमेरिकी सांसद ने तो यहां तक कह दिया कि पश्चिमी तौर-तरीके सीखो अन्यथा अपने पिछड़े देश वापस चले जाओ। वैसे हाथ से खाना खाते हुए जोहरान का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में वे फिलिस्तीन मुद्दे पर अपनी राय रखते भी नजर आ रहे हैं।

इस वीडियो को लेकर अमेरिका के रिपब्लिकन सांसद ब्रैंडन गिल ने नस्लीय टिप्पणी करते हुए कहा है, कि अगर आप पश्चिमी तौर-तरीके नहीं अपना सकते, तो अपने पिछड़े देश वापस चले जाइए। गिल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा कि सभ्य समाज इस तरह से खाना नहीं खाता, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर तीखी बहस छिड़ गई है। उनके इस बयान को न केवल नस्लवादी और सांस्कृतिक असहिष्णुता का उदाहरण माना जा रहा है, बल्कि कई अमेरिकियों ने भी उनकी आलोचना की है।

सोशल मीडिया पर पलटा गिल पर हमला

ब्रैंडन गिल की टिप्पणी के बाद उन्हें ट्रोल करते हुए लोगों ने लिखा है, कि क्या आप चॉपस्टिक से खाने पर भी आपत्ति जताते हैं? टैको, फ्राइज और बर्गर आप कैसे खाते हैं? कांटे-चम्मच से? एक अन्य ने लिखा, ये उनकी नीतियों पर बहस नहीं कर पा रहे, इसलिए अब संस्कृति पर हमला कर रहे हैं।

दिखावे का आरोप

हालांकि विवाद का एक और पहलू भी सामने आया है। कुछ यूज़र्स ने जोहरान ममदानी पर कैमरे के सामने सांस्कृतिक पहचान का दिखावा करने का आरोप लगाया है। एक यूजर ने उनकी पुरानी फोटो शेयर की, जिसमें वे चाकू-कांटे से खाते दिख रहे हैं और लिखा, कैमरे के सामने ही अचानक देसी क्यों बन जाते हैं?

वीडिया में जोहरान ने कहा

वायरल वीडियो में जोहरान ममदानी कहते हैं, कि जब आप किसी थर्ड वर्ल्ड देश से पले-बढ़े होते हैं, तो फिलिस्तीनी संघर्ष को बेहतर तरीके से समझते हैं। उनका यह बयान भी चर्चा में है। हालांकि अब तक ममदानी ने सांसद की टिप्पणी पर कोई सीधा जवाब नहीं दिया है।

सांस्कृतिक विविधता पर नई बहस

यह विवाद अमेरिका में सांस्कृतिक विविधता, प्रवासियों की पहचान और नस्लीय सोच को लेकर एक बार फिर बहस का कारण बन गया है। जहां एक ओर दक्षिणपंथी राजनीति इसे 'पश्चिमी मूल्यों की रक्षा' की बात कह रही है,।

अब कोई और नहीं बन सकेगा कैप्टन कूल

महेंद्र सिंह धोनी ने रजिस्टर कराया ट्रेडमार्क

नई दिल्ली।

पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को उनका लोकप्रिय नाम कैप्टन कूल अब कानूनी रूप से मिलने की पूरी उम्मीद है। धोनी ने हाल ही में कैप्टन कूल नाम के लिए ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन की अर्जी दी थी, जो अब स्वीकृत और विज्ञापित कर दी गई है। यह ट्रेडमार्क धोनी ने खेल प्रशिक्षण, प्रशिक्षण सुविधाओं और स्पोर्ट्स कोचिंग सेवाओं के लिए क्लास 41 के तहत रजिस्टर करवाया है। यह ट्रेडमार्क न सिर्फ उनके नाम को कानूनी सुरक्षा देता है, बल्कि यह उनके ब्रांड वैल्यू और पहचान को भी और मजबूत करता है। धोनी की वकील मानसी अग्रवाल ने इस उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए कहा कि यह मामला दिखाता है कि पर्सनल ब्रांडिंग और पहचान से जुड़ी विशिष्टता कैसे कानूनी रूप से काम आती है, भले ही पहले से कोई समान ट्रेडमार्क मौजूद हो। धोनी के कैप्टन कूल ट्रेडमार्क को पहले ट्रेडमार्क एक्ट की धारा 11(1) के तहत आपत्ति मिली थी।

विधानसभा सत्र के लिए जारी किए गए पहचान पत्रों से अशोक स्तंभ गायब

- राजनीतिक हलकों में हलचल
- मानसून सत्र में एक नया विवाद हुआ शुरू
- अशोक स्तंभ की जगह सेनगोल का इस्तेमाल

मुंबई।

महाराष्ट्र विधानसभा के आज से शुरू हो रहे मानसून सत्र की पृष्ठभूमि में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। इस बार सत्र के लिए पत्रकारों और अन्य लोगों को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्रों से राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ गायब हो गया है। अशोक स्तंभ रहित इस पहचान पत्र पर केवल विधानसभा या विधान परिषद लिखा हुआ है।

पिछले सभी सत्रों में केंद्र और राज्य सरकारों के आधिकारिक दस्तावेजों की तरह पहचान पत्र पर भी अशोक स्तंभ होता था। हालांकि, इस बार इसके न होने से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है।

यह घटना कुछ दिन पहले आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर राजभवन में आयोजित कार्यक्रम की याद दिलाती है। उस कार्यक्रम के बैनर में भी अशोक स्तंभ की जगह राजदंड का प्रतीकात्मक चिह्न सेनगोल इस्तेमाल किया गया था। विपक्ष ने सत्तारूढ़ पार्टी पर संवैधानिक प्रतीकों से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था।

अब जब विधानसभा सत्र के पहचान पत्र से भी अशोक स्तंभ हटा दिया गया है, तो इस आरोप ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि यह हिंदुत्व एजेंडे की प्रतीकात्मक राजनीति है। इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। अशोक स्तंभ भारतीय गणतंत्र का प्रतीक है। इसे अचानक हटाने का मतलब संवैधानिक मूल्यों से खिलवाड़ करना है। इस बीच, सरकार की ओर से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।

केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर कुछ विज्ञापन प्रकाशित किए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रोगी के लिये स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं

2025 की थीम है 'मास्क के पीछेः देखभाल करने वालों की देखभाल' उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है। बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश में डॉक्टर्स द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं।

(लेखक- ललित गर्ग)

(राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस- 1 जुलाई, 2025)

स्वस्थ जीवन हर किसी की सर्वोच्च जीवन प्राथमिकता होता है। कहा भी गया है कि, 'सेहत सबसे बड़ी पूंजी' है। स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सही तरह से एन्जॉय करते हुए उसे सफल एवं सार्थक बना सकता है और इसमें डॉक्टर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। छोटी-बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। शायद इसलिए ही इन्हें भगवान का दर्जा मिला हुआ है। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस प्रसिद्ध डॉक्टर और बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचंद्र राय के सम्मान में मनाया जाता है। वैसे तो दुनियाभर के अलग-अलग देशों में डॉक्टर्स डे को अलग-अलग दिन मनाया जाता है, लेकिन भारत में इस दिन को 1 जुलाई को इसलिये मनाया जाता है क्योंकि 1 जुलाई 1882 में भारत के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ. राय का जन्म हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई को ही साल 1962 में हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान देने के मकसद से डॉक्टर्स डे मनाने की शुरुआत की गई थी। यह दिन उन डॉक्टरों को समर्पित होता है जो हमारी सेहत का ध्यान रखते हुए हमें नया जीवनदान देते हैं। साथ ही हमें बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। हल्का सा भी हम अगर बीमार पड़ते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर के पास भागते हैं।

2025 की थीम है 'मास्क के पीछेः देखभाल करने वालों की देखभाल' उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है। बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश में डॉक्टर्स द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। एक डॉक्टर मरीज को स्वस्थ करते हुए आशा नहीं खोता-वह हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना करता है, चाहे परेशानी एवं बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न हो।

वास्तव में डॉक्टर्स की निःस्वार्थता एवं सेवाभावना उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाती है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन बनते हैं और उनका बलिदान-योगदान उन्हें मानवीय सेवा का योद्धा बनाता है। डॉक्टर्स डे डॉक्टरों द्वारा समुदायों के उपचार, सुरक्षा और समर्थन में अक्सर बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करता है। डॉक्टर्स न केवल महामारी या संकट के दौरान बल्कि हर दिन, गांवों, कस्बों और शहरों में मेडिकल प्रोफेशनल्स द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में कार्य करता है। सामान्य चिकित्सकों से लेकर विशेषज्ञों और सर्जनों तक, यह दिन उन सभी का सम्मान करता है जिन्होंने उपचार और सेवा करने की शपथ ली है। इस दिवस पर मरीज और समुदाय भी कृतज्ञता और आशा की कहानियां साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। जैसाकि भारत नई सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है, राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस एक उत्सव और एक ऐसी प्रणाली बनाने के लिए कार्रवाई का आह्वान है, जहां डॉक्टरों को न केवल देखभाल करने वाले के रूप में सम्मानित किया जाता है, बल्कि बदले में उनकी सुरक्षा, सम्मान और देखभाल भी की जाती है। डॉक्टर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं जो सिर्फ बीमारी का निदान और उपचार करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उनके काम में चिकित्सा ज्ञान, चिकित्सा नवाचार, संचार और करुणा का संयोजन शामिल है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सहायता मिल सके, नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है।

डॉक्टरों की भूमिकाएं उनके काम करने के स्थान के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अस्पतालों में, वे विशेष उपचार या आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। क्लीनिकों और ग्रामीण केंद्रों में, वे अक्सर सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि चिकित्सा सहायता दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों तक पहुँचे। इन विविध जिम्मेदारियों के माध्यम से, डॉक्टर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, तथा हर दिन सकारात्मक बदलाव लाते हैं। भारत चिकित्सा नवाचार और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता है। भारत देश केवल एक विशाल आबादी वाला देश नहीं है, बल्कि इसने चिकित्सा-क्रांति को घटित करते हुए दुनिया में चिकित्सा-सेवा के नये दीप प्रज्वलित किये हैं। डॉक्टर बनना आसान नहीं है, फिर भी आप इसे बड़ी सहजता से और हमेशा मुस्कुराते हुए करते हैं। हर कोई डॉक्टर नहीं बन सकता क्योंकि हर किसी के पास मरीजों को निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए ज्ञान, कौशल और धैर्य नहीं होता।

हर बीमारी के लिये एक एक्सपर्ट होता है। अगर आपको सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार या फिर मौसमी बीमारी ने जकड़ लिया है तो आपको फिजिशिनय या जनरल फिजिशियन से मिलना चाहिए। वहीं आंख, कान, नाक, टॉन्सिल, सिर या गर्दन की समस्या के लिये ईएनटी स्पेशलिस्ट होते हैं। ये साइनस का भी इलाज करते हैं। अगर आपको दिल से जुड़ी कोई दिक्कत है तो कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना बेहतर होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने पर आप इन डॉक्टर के पास जाएं। इसके अलावा अगर आप तनाव में रहते हैं तो साइकोलॉजिस्ट से मिलना होता है। कैंसर की बीमारी के लिये आपको ओन्कोनोजिस्ट के पास जाना चाहिए। अगर आपको आंखों में कोई समस्या है, जलन, खुजली, रेडनेस या इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं तो इसके लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, या फिर ब्रेस्ट, यूटीआई, पीरयड्स, की समस्या हो रही है तो गायनोकोलॉजिस्ट की मदद लें। दिमागी बीमारी के लिये न्यूरोलॉजिस्ट के पास जाने की सलाह दी जाती है। कई बार सही डॉक्टर से समय पर इलाज न मिलने की वजह से भी बीमारी और बढ़ जाती है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं मानवीयता जैसे सभी पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने एवं उनको स्वस्थ बनाने के लिए अनुभवी एवं विशेषज्ञ डाक्टरों की सेवाएं वरदान है। डॉक्टर्स भगवान का रूप होते है, वे ही इंसान के जन्म के पहले साक्षी बनते हैं और उनमें करुणा एवं स्वस्थता का बीज बोते है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ हंसते हुए दे देते हैं, चाहे उनका अपना पारिवारिक सुख हो, करियर हो, जीवन की खुशियां हो या सपने हों, सबकुछ झोंक देते है।

डॉक्टर्स अपने सुख-दुख को त्याग कर मरीजों के लिए जीते हैं, समाज को रोगमुक्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, कोविड संक्रमण के दौरान डॉक्टर्स ही थे, जो एक योद्धा की तरह हर मुश्किल घड़ी में अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों के साथ घंटों लगातार ड्यूटी कर रहे थे। कई डॉक्टर्स ने अपनी जान भी गंवा दी। इन डॉक्टर्स के बलिदान को भी आज के दिन याद किया जाता है। डॉक्टरों की सेवाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे बीमारियों का निदान, उपचार और रोकथाम करते हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित होता है। वे आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक सहायता प्रदान करते हैं और बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाते हैं। डॉक्टर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के बारे में शिक्षित करते हैं, जिससे वे अपनी बीमारियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और उनका प्रबंधन कर सकते हैं। डॉक्टर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सहायता और उपचार प्रदान करते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य अभियानों और कार्यक्रमों में भाग लेकर समुदायों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं और समाज के समग्र कल्याण में योगदान करते हैं। आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये डॉक्टर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं। इसलिए कि वे सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करते हैं, ऐसी मानवीय सेवाएं देने वाले इन डॉक्टर्स रूपी अद्भुत फरिश्तों के सम्मान, कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही डॉक्टर्स की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी।

संपादकीय

स्त्री-द्वेष की सोच

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार के मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल टिप्पणी स्त्री की मर्यादा के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा ने पार्टी के नेताओं के बयान पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है। वहीं इससे भी बदतर स्थिति यह है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। देश के विभिन्न राज्यों में कई जघन्य अपराधों के बाद टिप्पणियों में पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों को ही उजागर किया जाता है। गाहे-बगाहे शर्मनाक टिप्पणियां की जाती रही हैं। यदि 21वीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। यहां उल्लेखनीय है कि कोलकत्ता में कानून की छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि मामले में कानून अपना काम करेगा, लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हो जाना चाहिए। इस मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार-हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। यह भी कि यह एक स्वीकार्य व्यवहार है। यह तर्क से परे है कि किसी पीड़िता को पूर्ण भौतिक व मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना एक आवश्यक कर्तव्य के रूप में निहित क्यों नहीं, चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में क्यों न हो। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन का एक उपाय है, लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है।

कठिनतम परिस्थितियों में भी मरीजों को जीवनदान देते हैं चिकित्सक

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (1 जुलाई) पर विशेष)

समाज के प्रति चिकित्सकों के समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने तथा मेडिकल छात्रों को प्रेरित करने के लिए ही प्रतिवर्ष देश में एक जुलाई को 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। गंभीर से गंभीर बीमारियों से जूझते मरीजों की जान बचाने का हरसंभव प्रयास करने वाले चिकित्सक वाकई सम्मान के सबसे बड़े हकदार भी हैं। चिकित्सक दिवस मनाने का मूल उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक करना, चिकित्सकों का सम्मान करना और साथ ही चिकित्सकों को भी उनके पेशे के प्रति जागरूक करना है। कोरोना महामारी के भयावह दौर में दुनियाभर में चिकित्सक अपनी जान की परवाह किए बिना करोड़ों लोगों के जीवन की रक्षा करते नजर आए थे। उस विकट दौर में देश में ड्यूटी के दौरान सैंकड़ों चिकित्सकों की मौत हुई थी लेकिन फिर भी चिकित्सक जी-जान से लोगों की जान बचाने में जुटे नजर आए थे। कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान तो बहुत से चिकित्सकों और चिकित्सा स्टाफ को अपनी छुट्टियां रद्द कर प्रतिदिन लंबे-लंबे समय तक कार्य करना पड़ा था और ऐसे बहुत से चिकित्साकर्मी महीनों-महीनों तक अपने परिवार और छोटे बच्चों से भी दूर रहे थे। हालांकि कुछ चिकित्सक ऐसे भी देखे जाते हैं, जो अपने इस सम्मानित पेशे के प्रति ईमानदार नहीं होते लेकिन ऐसे चिकित्सकों की भी कमी नहीं, जिनमें अपने पेशे के प्रति समर्पण की कोई कमी नहीं होती। बिना चिकित्सा व्यवस्था और बिना योग्य चिकित्सकों के इंसान की जिंदगी कैसी होती, इसकी कल्पना मात्र से ही रोम-रोम सिहर जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में चिकित्सकों का महत्व सदा से रहा है और हमेशा रहेगा।

चिकित्सक दिवस की स्थापना भारत में वर्ष 1991 में हुई थी। पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और जाने-माने चिकित्सक डा. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में चिकित्सकों की उपलब्धियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने वाले डॉक्टरों के सम्मान के लिए इसका आयोजन होता है। वे एक जाने-माने चिकित्सक, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और वर्ष 1948 से 1962 में जीवन के अंतिम क्षणों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, बिधाननगर, अशोकनगर, कल्याणी तथा हबरा नामक पांच शहरों की स्थापना की थी। संभवतः इसीलिए उन्हें पश्चिम बंगाल का महान वास्तुकार भी कहा जाता है। कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वर्ष 1911 में एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से ली। उन्होंने एक साथ फिजिशयन और सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल कर हर किसी को अपनी प्रतिभा से हतप्रभ कर दिया था। वर्ष 1911 में भारत में ही एक चिकित्सक के रूप में उन्होंने अपने चिकित्सा कैरियर की शुरूआत की। वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में शिक्षक नियुक्त हुए। वर्ष 1922 में वे कलकत्ता मेडिकल जनरल के सम्पादक और बोर्ड के सदस्य बने। 1926 में उन्होंने अपना पहला राजनीतिक भाषण दिया और 1928 में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी चुने गए। डा. बिधान चंद्र रॉय ने 1928 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के गठन और भारत की मेडिकल काउंसिल (एमसीआई) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई बड़े-बड़े पदों पर रहने के बाद भी वे प्रतिदिन गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज किया करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् उन्होंने अपना समस्त जीवन चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता की पहुंच के भीतर लाने के लिए वे जीवन पर्यन्त प्रयासरत रहे। 4 फरवरी 1961 को उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1967 में दिल्ली में उनके सम्मान में डा. बी.सी. रॉय स्मारक पुस्तकालय की स्थापना हुई और 1976 में उनकी स्मृति में केन्द्र सरकार द्वारा डा. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई। संयोगवश डा. रॉय का जन्म और मृत्यु एक जुलाई को ही हुई थी। उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को पटना में हुआ था और मृत्यु 1 जुलाई 1962 को हृदयाघात से कोलकाता में हुई थी।

चिकित्सा एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे केवल आजीविका का साधन मानना इसके व्यापक सामाजिक और मानवीय महत्व को छोटा करना होगा। यह महज एक पेशा नहीं बल्कि समाज की सेवा, पीड़ित मानवता की सहायता और जीवन रक्षा का माध्यम है। एक सच्चा चिकित्सक न केवल बीमार व्यक्ति का इलाज करता है बल्कि उसके परिवार की आशाओं को भी संजीवनी देता है। इसीलिए समाज में डॉक्टरों को अत्यंत सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है और बदले में उनसे भी सेवा, समर्पण और ईमानदारी की अपेक्षा की जाती है। हालांकि, निजी अस्पतालों में इलाज के नाम पर लापरवाही, अनावश्यक जांचों और अत्यधिक शुल्क वसूली के आरोप भी सामने आते रहे हैं, जिससे कुछ चिकित्सकों की छवि धूमिल होती है परंतु यह भी सच है कि सभी डॉक्टरों को इस दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। आज भी अधिकांश चिकित्सक अपनी जिम्मेदारियों को निष्ठा और करुणा के साथ निभा रहे हैं।

वे कठिनतम परिस्थितियों में भी मरीजों को न केवल जीवनदान देते हैं बल्कि उम्मीद और विश्वास की लौ भी जलाए रखते हैं। कई बार डॉक्टर मौत से जूझ रहे मरीजों को पुनः जीवन देने में सफल होते हैं। इसलिए एक समर्पित और संवेदनशील डॉक्टर न केवल चिकित्सा जगत का रत्न होता है बल्कि वह समाज का भी एक सच्चा प्रहरी होता है। ऐसे डॉक्टर सदैव सम्मान और आभार के सच्चे अधिकारी होते हैं क्योंकि वे निस्वार्थ सेवा के जरिए जीवन को नया आयाम देते हैं।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै।

वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संक्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु। हर मनुष्य का कर्तव्य बनता है कि जिस अकाल शक्ति से उसकी उत्पत्ति हुई है वह स्वयं को उसके साथ जुड़ा रखे। यह भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति कृतज्ञ होना सिखाता है, जिससे विनम्रता का जन्म होता है। इस भाव के आ जाने से व्यक्ति जितनी भी सुख-सुविधाओं से घिरा रहे, अभिमान उसे छू नहीं सकता। इस विनम्रता का अर्थ यह कदापि नहीं कि हम अत्याचार और शोषण सहते जाएं। अर्जन देव के अनुसार उस परमशक्ति से स्वयं को एकाकार करने से निरभउ व निरवैर अर्थात् निडरता व अशत्रुता का भाव पैदा होता है जो किसी भी गलत शक्ति के आगे झुकने से बचाती है। इसलिए अभिमान छोड़, विनम्रता की राह चलें। इससे हमारे विकास और बने रहने की संभावनाएं प्रबल रहती हैं। अभिमान हमारी मूर्खता को ही व्यक्ति करता है।

विचार मंथन

बारिश की विनाशलीला, देश भर में प्राकृतिक एवं मानवजन्य प्रकोप

(लेखक- सनत जैन)

देशभर में मानसून की दस्तक इस बार राहत के साथ-साथ तबाही लेकर आई है। उत्तर भारत के कई राज्य—हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली, यूपी और बिहार मे भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन जैसी आपदाओं से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मध्य प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्य भी बारिश के कहर से अछूते नहीं हैं। मौसम विभाग ने कई राज्यों में रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मानसून के इस मौसम में जितना प्रकृति का प्रकोप है, उससे ज्यादा प्रकोप मानवीय और सरकारी लापरवाही का है। ज़मीनी हकीकत यह है, कि सरकार की योजनाएं और नगरीय निकायों की लापरवाही मानसून के पहले की तैयारियों का अभाव हर साल इस आपदा को और भी भयावह बना देता है। हिमाचल प्रदेश में अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है, सड़कें बंद हैं। पहाड़ी नदियों का जलस्तर खतरनाक हद तक बढ़ गया है। हिमाचल में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। हजारों पर्यटक और वाहन यहां फंसे हुए हैं। गांव के गांव इस मानसून की बारिश में और भू स्वखलन में बह गए हैं। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा को रोकना पड़ा है। भूस्खलन और पुल टूटने से रास्ते अवरुद्ध हैं। हजारों तीर्थ यात्री फंसे हुए हैं। उन्हें खाना-पीना भी सही से नहीं मिल पा रहा है। मैदानी इलाकों की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। गांवों में पानी भरा है, फसलें नष्ट हो रही हैं। जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त है। दुर्भाग्य की बात यह है, कि यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। हर साल जून-जुलाई में ऐसे ही दृश्य सामने आते हैं। हर साल इसी तरह की विभीषिका से लोगों को जूझना पड़ता है। हजारों करोड़ों रुपए का नुकसान हर साल होता है। पिछले कई वर्षों से सभी नगरों में बारिश के दौरान जल प्लावन की स्थिति देखने को मिलती है। सीवर लाइन जिस तरीके से शहरों में बिछाई गई है, उसमें पानी की निकासी और ढलान का कोई ध्यान नहीं रखा गया। इस कारण थोड़ी सी भी बारिश में शहरों के कई हिस्से जल मग्न हो जाते हैं। जगह-जगह नावें चलने लगती हैं। गुजरात जैसे राज्य में हर साल बारिश के दौरान बड़े पैमाने पर विनाश लीला होती है। केंद्र एवं राज्य सरकारें सतर्क और गंभीर हों, ऐसा दिखता नहीं है। केंद्र की आपदा प्रबंधन प्रणाली जब आपदा आती है तो उसे दूर करने के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च कर देती है। स्थाई समाधान के प्रयास नहीं किए जाते हैं। जिसके कारण हर साल और वह रुपए का नुकसान केंद्र एवं राज्य सरकारों के साथ-साथ आम लोगों को उठाना पड़ता है। शहरी विकास योजनाएं बिना पर्यावरणीय संतुलन को समझे लागू हो जाती हैं। नगरी विकास योजनाओं में यह ध्यान नहीं रखा जाता है। सीवर लाइन और नालों में पानी का ढलान है, या नहीं है। पानी बाहर निकालने के लिए कितने इन्च की पाइप लाइन की जरूरत है। इस सबका ध्यान नहीं रखा जा रहा है। जिसके कारण हर शहर के कई इलाके बारिश के मौसम में पानी में डूब जाते हैं। यह हाल दिल्ली मुंबई जैसे बड़े-बड़े महानगरों के भी हैं, छोटे नगरों की भी यही हालत है। पहाड़ी क्षेत्रों में अंधाधुंध निर्माण व जंगलों की कटाई ने पहाड़ों को खोखला कर दिया है। पहाड़ी इलाकों में पहाड़ दरकने की घटनाएं बड़ी तेजी के साथ बढ़ती चली जा रही हैं। जिसने हालात को और भी भयावह बना दिया है। ऐसे में जब मानसून आता है, तो वह सिर्फ पानी ही नहीं लाता। सरकारी लापरवाही और विकास की गलत योजनाओं की विफलता के कारण प्राकृतिक आपदा से ज्यादा मानवीय आपदा झेलनी पड़ रही है। अब समय आ गया है, केंद्र और राज्य सरकारें आपदा को मौसम की दुर्घटना नहीं, बल्कि सुनयोजित विकास मे नीति विफलता के रूप में देखें। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक रणनीति केंद्र एवं राज्य सरकारों को बनानी होगी। पहाड़ी राज्यों में निर्माण कार्यों की सख्त निगरानी, नदियों के बहाव में हस्तक्षेप पर नियंत्रण, शहरी जल निकासी तंत्र को मजबूत बनाते हुए दीर्घकालीन विकास को भी ध्यान में रखना होगा। वरना हर मानसून में इसी तरह का मातम और हर साल अरबो रुपए की बर्बादी देखने को मिलती रहेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 26 पैसे गिरकर 85.75 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जबकि शुक्रवार को रुपया 85.49 पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह कमजोर रुख और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में छह पैसे मजबूत होकर 85.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.48 पर खुला। शुरुआती कारोबार में 85.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 85.50 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 फीसदी की गिरावट के साथ 97.25 पर आ गया।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हरियाणा में 43 एकड़ जमीन अधिग्रहण की

मुंबई। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हरियाणा` स्थित पानीपत में 43 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर`` लिया है जिससे उसे 1,250 करोड़ रुपये से अधिक आय होने की संभावना है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने~ भूखंड विकास के लिए 43 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है, जिससे 1,250 करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व क्षमता होगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हालांकि सौदे के वित्तीय विवरण की जानकारी नहीं दी। यह भूमिखंड पानीपत के सेक्टर 40 में स्थित है। इसमें करीब 10.2 लाख वर्ग फुट का आवासीय विकास किया जाएगा। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा` कि यह परियोजना 'प्लॉटेड' (भूखंड) विकास के लिए नए बाजारों में विस्तार करने की हमारी रणनीति के अनुरूप है।

जनवरी-जून में कार्यालय स्थल की मांग सात शहरों में 48 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली।

कॉरपोरेट की ओर से प्रबंधित कार्यस्थलों की बढ़ती मांग को देखते हुए सह-कार्य केंद्र चालकों ने इस साल जनवरी-जून में सात प्रमुख शहरों में सालाना आधार पर 48 प्रतिशत अधिक 65 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थल पट्टे पर लिए। एक रियल एस्टेट सलाहकार ने यह जानकारी दी। ये सह-कार्य केंद्र संचालक कार्यालय स्थलों को रियल एस्टेट डेवलपर और संपत्ति मालिकों से पट्टे पर लेकर इन्हें तीसरे पक्ष को किराए (उप-पट्टे) पर देते हैं। सह-कार्य संचालकों ने 2024``` वित्तीय वर्ष की जनवरी-जून अवधि में सात शहरों दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे और बेंगलुरु में 44 लाख वर्ग फुट स्थान पट्टे पर लिया था। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-जून 2025 में इन सात शहरों में कार्यालय स्थल की अवशोषण मांग 13 प्रतिशत बढ़कर 337 लाख वर्ग फुट हो गई जो एक साल पहले की अवधि में 299 लाख वर्ग फुट थी।

हिंद रेक्टिफायर्स को रेलवे से मिला 101 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली। रेलवे और पावर सेक्टर के लिए इलेक्ट्रिकल उपकरण बनाने वाली कंपनी हिंद रेक्टिफायर्स लिमिटेड को इंडियन रेलवे से 101 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर न केवल कंपनी की राजस्व वृद्धि में मदद करेगा, बल्कि उसकी तकनीकी क्षमता और बाजार में भरोसे को भी और मजबूत करता है। कंपनी ने 27 जून को स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किया कि यह ऑर्डर वित्त वर्ष 2025-26 से 2026-27 के बीच पूरा किया जाएगा। इस डील के अंतर्गत हिंद रेक्टिफायर्स रेलवे को इलेक्ट्रिकल कॉम्पोनेंट्स की आपूर्ति करेगी। यह ऑर्डर रेलवे के मानक नियमों और शर्तों के तहत दिया गया है। इससे कंपनी की ऑर्डर बुक मज़बूत होगी, और आगामी वर्षों में राजस्व और नकदी प्रवाह में स्थायित्व आएगा।

अडानी ग्रीन एनर्जी ने किया 15,000 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता को पार

गौतम अडानी बोले- यह भारत के इतिहास में सबसे बड़ा व तेज हरित ऊर्जा निर्माण

अहमदाबाद।

अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने सोमवार को 15,000 मेगावाट की परिचालन क्षमता को पार कर एक उपलब्धि हासिल की है, जो अब 15,539.9 मेगावाट तक पहुंच गई है। यह उपलब्धि भारत में अब तक की सबसे तेज और बड़ी क्षमता वृद्धि को दर्शाती है। भारत की सबसे बड़ी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी ने कहा कि परिचालन पोर्टफोलियो में 11,005.5 मेगावाट सोलर, 1,977.8 मेगावाट विंड और 2,556.6 मेगावाट विंड-सोलर हाइब्रिड क्षमता शामिल है। अडानी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडानी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अडानी ग्रीन ने 15,000 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता को पार कर लिया है, जो भारत के इतिहास में सबसे बड़ा और तेज हरित ऊर्जा निर्माण है। गौतम अडानी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि खावड़ा के रेगिस्तानी परिदृश्य से लेकर दुनिया के टॉप 10 ग्रीन पावर उत्पादकों में गौरवपूर्ण स्थान तक यह मील का पत्थर एक संख्या से कहीं ज्यादा है। यह ग्रह के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और भारत के हरित पुनरुत्थान को आगे बढ़ाने के हमारे संकल्प को दिखाता है। एजीईएल भारत की पहली और एकमात्र रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी है, जिसने मुख्य रूप से ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स के जरिए से यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। एजीईएल के सीईओ ने कहा कि 15,000 मेगावाट के मील के पत्थर को पार करना बहुत गर्व का क्षण है। यह उपलब्धि हमारी टीम के अथक प्रयासों और समर्पण का प्रमाण है। यह हमारे प्रमोटरों के दूरदर्शी नेतृत्व और निवेशकों, ग्राहकों, टीम और भागीदारों के अटूट समर्थन के बिना संभव नहीं होता, जो हर कदम पर हमारे साथ खड़े हैं।

भारत में जीनोमिक जांच की मांग- 2030 तक 2066 करोड़ डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

2024 में भारतीय जीनोमिक डायग्नोस्टिक बाजार का मूल्य 55 करोड़ डॉलर था

नई दिल्ली।

भारत में जीनोमिक जांच की मांग में बीते दो-तीन वर्षों में तेजी देखी जा रही है। इसके पीछे क्लीनिकल जागरूकता में इजाफा, तकनीकी नवाचार और पर्सनलाइज्ड मेडिसिन को बढ़ावा मिलना जैसे कई कारण बताए गए हैं। पहले महानगरों तक सीमित यह सेवा अब मझोले और छोटे शहरों तक भी विस्तार कर रही है, जिससे स्वास्थ्य सेवा के परिदृश्य मे बदलाव देखा जा रहा है। 2024 में भारतीय जीनोमिक डायग्नोस्टिक बाजार का मूल्य 55 करोड़ डॉलर था। उद्योग अनुमानों के अनुसार, यह बाजार 18 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 2030 तक 2066 करोड़ डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। एजिलस डायग्नोस्टिक्स, मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर, डॉ. लाल पैथलैब्स, महाजन इमेजिंग और रेडक्लिफ लैब्स जैसी कंपनियों ने इस क्षेत्र में दो अंकों की वृद्धि दर्ज की है। अब केवल दिल्ली, मुंबई और बेंगलूरु ही नहीं, बल्कि लखनऊ, भुवनेश्वर, पुणे, कोच्चि और सूरत जैसे शहरों में भी मांग में जबरदस्त इजाफा हो रहा है। आम जीनोमिक जांच जैसे बीआरसीए1/2 टेस्ट (स्तन और गर्भाशय के कैंसर की जांच) और एनआईपीटी (गर्भावस्था में भ्रूण संबंधी आनुवंशिक जोखिम आकलन) अब 5,000 से 20,000 की रेंज में उपलब्ध हैं। हालांकि ऑन्कोलॉजी पैनल और एक्सोम सीक्वेंसिंग जैसी जटिल जांच की कीमत अभी भी 2 लाख तक हो सकती है, लेकिन तकनीकी प्रगति के चलते ये जांच अब अधिक सुलभ हो रही हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 452 , निफ्टी 120 अंक नीचे आया

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार जून महीने के अंतिम कारोबारी दिन सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 452 अंकों की गिरावट के साथ ही 83,606.46 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 120 अंकों की गिरावट के साथ 25,517.05 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर एसबीआई, ट्रेंट, श्रीराम फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ के साथ ही हरे निशान पर रहे जबकि टाटा कंज्यूमर, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक, हीरो मोटोकॉर्प, एक्सिस बैंक के शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। आज पीएसयू बैंक इंडेक्स में 2.5 फीसदी की बढ़त रही, जबकि रियल्टी, एफएमसीजी, ऑटो, मेटल के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। वहीं बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.6 फीसदी और स्मॉलकैप सूचकांक में 0.8 फीसदी की तेजी रही। वहीं वित्तीय और ऑटो शेयरों में गिरावट के कारण सेंसेक्स और निफ्टी में निचले स्तर पर कारोबार हुआ। मध्य पूर्व में तनाव कम होने और विदेशी पूंजी प्रवाह में मजबूत होने से जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में तेजी के बीच ही बाजार सपाट स्तर पर खुले। आज सुबह सेंसेक्स करीब 30 अंक गिरकर 84,027.33 पर खुला। इस समय यह 119.59 अंक की गिरावट लेकर 83,939 पर कारोबार कर रहा था। सेक्टरों में निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स

सबसे अधिक लाभ में रहा। इसमें 0.94 प्रतिशत की तेजी आई। जबकि निफ्टी ऑटो इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

वहीं एशियाई बाजारों में सोमवार को तेजी रही। जापान के निक्केई इंडेक्स में 1.6 फीसदी की वृद्धि हुई। जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में 1 फीसदी की वृद्धि हुई। कोस्पी में 0.64 फीसदी की वृद्धि हुई तथा एएसएक्स 200 में 0.19 फीसदी की वृद्धि हुई। वर्ष की दूसरी छमाही में बाजार के प्रवेश के साथ ही एशियाई बाजारों में शुरुआती घंटों के दौरान अमेरिकी इक्विटी फ्यूचर्स भी तेजी से बढ़ा। शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट ने सभी क्षेत्रों में मजबूत बढ़त दर्ज की। एसएंडपी 500 अपने पिछले शिखर 6,147.43 को पार करते हुए 6,173.07 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट भी लगभग 0.5 फीसदी की बढ़त के साथ नए ऑल टाइम लेवल पर बंद हुआ। जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में लगभग 1 फीसदी की वृद्धि हुई।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

सोने के भाव 95,450 रुपये, जबकि चांदी लगभग 1,05,000 रुपए

नई दिल्ली।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में सोमवार को सुस्ती देखने को मिल रही है। घरेलू बाजार में सोने के भाव 95,450 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,05,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव तेजी, जबकि चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 22 रुपये की तेजी के साथ 95,492 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,470 रुपये था। इस समय यह 20 रुपये की गिरावट के साथ 95,450 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 149 रुपये की गिरावट के साथ 1,05,079 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,05,228 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 149 रुपये की गिरावट के साथ 1,05,079 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। हालांकि सोने के

भाव बाद में सुधर गए। कॉमेक्स पर सोना 3,284.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,287.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.60 डॉलर की तेजी के साथ 3,290.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 35.89 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.03 डॉलर था। इस समय यह 0.13 डॉलर की गिरावट के साथ 35.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 15 गीगावाट परिचालन क्षमता की पार

नई दिल्ली।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की परिचालन क्षमता 15.53 गीगावाट तक पहुंच गई है, जिसमें 11 गीगावाट सौर और 1.9 गीगावाट पवन शामिल है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि 15,539.9 मेगावाट का परिचालन खंड 79 लाख मकानों को बिजली मुहैया करा सकता है। इसमें 11,005.5 मेगावाट सौर, 1,977.8 मेगावाट पवन और 2,556.6 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता शामिल है। एजीईएल के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा` कि हमारा लक्ष्य 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि को 15,000 मेगावाट से बढ़ाकर 50,000 मेगावाट करना है। हम भारत और विश्व को सतत ऊर्जा समाधानों से ऊर्जा प्रदान करने के अपने लक्ष्य पर अडिग हैं। एजीईएल गुजरात के कच्छ में खावड़ा की बंजर भूमि पर 30,000 मेगावाट का दुनिया का सबसे बड़ा अक्षय ऊर्जा संयंत्र विकसित कर रही है। 538 वर्ग किलोमीटर में बना यह संयंत्र पेरिस के आकार का पांच गुना है और इसे अंतरिक्ष से भी देखा जा सकेगा। इसके पूरा होने पर यह सभी ऊर्जा स्रोतों के संदर्भ में विश्व का सबसे बड़ा विद्युत संयंत्र होगा। एजीईएल ने अब तक खावड़ा में 5,355.9 मेगावाट अक्षय ऊर्जा की संचयी क्षमता का संचालन किया है।

यूपीआई से लेनदेन पर मिलेगा तीन फीसदी कैशबैक

एक्सिस बैंक सुपरमनी रुपे क्रेडिट कार्ड बनवाने पर मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली।

देश में यूपीआई पेमेंट का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।` अब आपको यूपीआई पेमेंट करने पर आपको हर लेनदेन पर तीन फीसदी का कैशबैक कमाने का मौका` मिल सकता है।

इसके लिए आपको एक्सिस बैंक सुपरमनी रुपे क्रेडिट कार्ड बनवाना होगा। इस क्रेडिट कार्ड को यूपीआई ऐप्स से लिंक कर सकते हैं और पड़ोस के छोटे से दुकान पर लगे मर्चेंट यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन कर इस कार्ड से पेमेंट कर सकते हैं। यह कार्ड एक्सिस बैंक और फ्लिपकार्ट ग्रुप की फिनटेक कंपनी सुपर मनी का को-ब्रांडेड कार्ड है। इसे हाल ही में लॉन्च किया गया है। यह एक लाइफटाइम फ्री क्रेडिट कार्ड है। इसका मतलब हुआ कि इस कार्ड के लिए आपको कोई जॉइनिंग और एनुअल फीस नहीं देनी होगी। यह कार्ड आपको वर्जुअल के साथ-साथ फिजिकल फॉर्म में भी मिलेगा। सुपरमनी ऐप के जरिए इस कार्ड से किए गए पेमेंट पर आप 3 फीसदी कैशबैक कमा सकते हैं। इस कार्ड के जरिए दूसरे सभी एलिजिबल खर्च पर 1 फीसदी कैशबैक पा सकते हैं। दोनों कैटेगरी मिलाकर आप हर महीने मैक्सिमम 500 रुपये कैशबैक कमा सकते हैं। पेट्रोल पंपों पर 400 रुपये से लेकर 4,000 रुपये फ्यूल खरीद का पेमेंट इस कार्ड से करने पर 1 फीसदी का फ्यूल सरचार्ज नहीं देना होगा। एक बिलिंग साइकिल में मैक्सिमम 400 रुपये फ्यूल सरचार्ज माफ हो सकता है। चूंकि यह क्रेडिट कार्ड रुपे नेटवर्क पर लॉन्च किया गया है तो इस कार्ड को उन सभी ऑनलाइन वेबसाइट और मर्चेंट आउटलेट में इस्तेमाल किया जा सकता है, जो रुपे कार्ड स्वीकार करते हैं।

यूपी से बिहार तक बदले पेट्रोल और डीजल के भाव

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 67.13 डॉलर प्रति बैरल

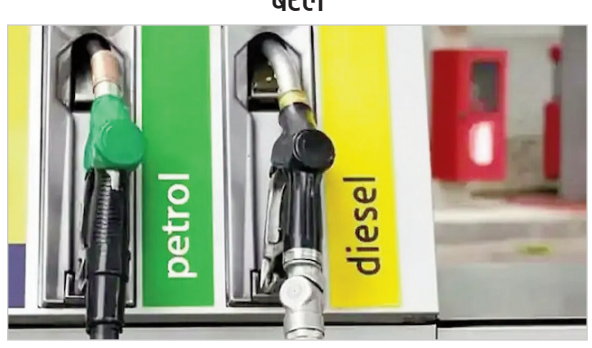

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की बढ़ी कीमतों की वजह से देशभर में तेल की खुदरा कीमतों पर इसका असर दिख रहा है। क्रूड एक समय गिरकर 65 डॉलर तक चला गया था, जो फिर 70 की तरफ बढ़ रहा है। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में इसका असर नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 8 पैसे महंगा होकर 94.85 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 9 पैसे चढ़ा और 87.98 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96 पैसे गिरकर 94.44 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 1.09 पैसे नीचे आकर 87.51 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 18 पैसे गिरावट के साथ 105.23 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 17 पैसे गिरकर 91.49 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में भी तेजी दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 67.13 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी बढ़त के साथ 64.71 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

लग्जरी बिजनेस क्लास एडिशन में बदला टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस को

नई दिल्ली।

टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस को ऑटोराउंडर्स कंपनी ने एक लग्जरी बिजनेस क्लास एडिशन में तब्दील कर दिया है। कंपनी ने न केवल इस एमपीवी के इंटीरियर को पूरी तरह से नया रूप दिया है, बल्कि इसके एक्सटीरियर में भी कई बदलाव किए हैं। इस वजह से यह गाड़ी अब आम एमपीवी न लगकर किसी हाई-एंड लग्जरी कार जैसी दिखाई देती है। यह कस्टमाइजेशन इनोवा जैसे पारिवारिक वाहन को प्रीमियम लुक और फील देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। ऑटोराउंडर्स पहले भी बीएमडब्ल्यू, ऑडी, मर्सिडीज, पोर्श और बेंटले जैसी ब्रांड्स की कारों को कस्टमाइज कर चुकी है। इस बिजनेस क्लास एडिशन में स्टैंडर्ड सीट्स को हटा कर हाई-कम्फर्ट कैप्टन सीट्स लगाई गई हैं, जिनमें 150-डिग्री रिक्लाइनिंग, मसाजर, वेंटिलेशन, हीटिंग, काफ सपोर्ट, यूएसबी चार्जिंग और फोन होल्डर जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इन सीटों को फर्स्ट-क्लास एयरलाइन सीट्स की तरह डिजाइन किया गया है। गाड़ी की छत पर रोल्स रॉयस से प्रेरित गैलेक्सी स्टार लाइट्स लगाई गई हैं जो इसे खास बनाती हैं। वहीं, स्काई रूफ, एंबिएंट लाइटिंग और कार्बन फाइबर फिनिश वाला स्टीयरिंग भी इस लक्जरी टच को और निखारता है। एक्सटीरियर में मेबैक-स्टाइल ग्रिल, नए प्रोजेक्टर हेडलैम्प्स, कनेक्टेड एलईडी टेल लाइट्स और कलर-कोटेड अलॉय व्हील्स जोड़े गए हैं। साथ ही गरवारे पीपीएफ कोटिंग से इसकी चमक और सुरक्षा दोनों बढ़ाई गई है। हालांकि इंजन, सस्पेंशन और ब्रेक में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

भारत के 9 तकनीकी सेक्टर 2030 तक कमा सकते हैं 738 अरब डॉलर: रिपोर्ट

2023 के मुकाबले करीब साढ़े तीन गुना बढ़ोतरी होगी

नई दिल्ली।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के 9 उभरते टेक्नोलॉजी सेक्टर 2030 तक देश को 588 से 738 अरब डॉलर की कमाई दिला सकते हैं। यह 2023 के मुकाबले करीब साढ़े तीन गुना बढ़ोतरी होगी, जब इनसे 164 से 206 अरब डॉलर की कमाई हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ग्रोथ भारत की तेज आरएंडडी क्षमता, पेटेंट्स और नई तकनीकों को तेजी से अपनाने की शक्ति से संभव हो सकती है। भारत के 9 संभावनाशील सेक्टर इस प्रकार हैं- ई-कॉमर्स, सेमीकंडक्टर, क्लाउड सर्विसेज़, साइबरसिक्योरिटी, इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी, एआई सॉफ्टवेयर और सर्विसेज, अंतरिक्ष तकनीक (स्पेस), न्यूक्लियर फिज़न और रोबोटिक्स। इन सेक्टरों को उनके उच्च पेटेंट ग्रोथ और भारी आरएंडी निवेश के आधार पर चुना गया है। 2030 तक ई-कॉमर्स मार्केट 240 से 300 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जो इन नौ सेक्टरों की कुल कमाई का 40 फीसदी होगा। एआई टूल्स को अपनाने से यह सेक्टर 5 से 8 गुना और क्लाउड सर्विसेज 4 से 5 गुना बढ़ सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप जीत के एक साल पूरा होने पर केक काटकर जश्न मनाया

लंदन।

भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2024 की जीत के एक साल पूरे होने पर रविवार को यहां एक पार्टी आयोजित की। इसमें केक काटकर जश्न मनाया गया। इस दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने मजाकिया अंदाज में ऑलराउडर रवींद्र जडेजा की खिंचाई करने का प्रयास किया पर उन्हें करारा जवाब मिला। जडेजा ने कहा कि वह अभी एक फॉर्मेट से रिटायर हुए हैं। टी20 विश्व कप जीतने के बाद जडेजा ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारुप से संन्यास ले लिया था। बीसीसीआई ने इस पार्टी का वीडियो भी सोशल मीडिया में पारी किया है। वीडियो में देखने को मिल रहा है कि पहले कोई भी खिलाड़ी केक काटने के लिए आगे नहीं बढ़ रहा था। तभी अर्शदीप सिंह आगे बढ़े तो कहा गया कि बुमराह प्लेयर ऑफ द सीरीज थे, तो ऐसे में अर्शदीप की जगह बुमराह ने केक काटा। इसके बाद सभी खिलाड़ी एक दूसरे को केक खिलाने लगे। वीडियो में बुमराह और ऋषभ ने जडेजा को 'हैप्पी रिटायरमेंट' कहकर केक खिलाया। इसपर जडेजा सफाई देते नजर आ रहे हैं उन्होंने अभी केवल एक ही प्रारुप से संन्यास लिया है।

शास्त्री बोले डब्लयूटीसी अब अहमदाबाद में होना चाहिये : शास्त्री

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अगला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 (डब्लयूटीसी) फाइनल भारत के अहमदाबाद में होना चाहिये। शास्त्री के अनुसार इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के लिए इंग्लैंड एक आदर्श स्थल है पर मेरा मानना है कि अब जब ये विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो गया है तो इसका आयोजन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्टेडियमों में भी किया जा सकता है। शास्त्री के अुनसार इंग्लैंड ने तीन बार इस टूर्नामेंट के फाइनल की मेजबानी कर ली है। पहला डब्लयूटीसी फाइनल साउथेम्प्टन के रोज बाउल में आयोजित किया गया था, जिसमें न्यूजीलैंड ने भारत को हराया था। इसके बाद के दूसरा फाइनल ओवल में हुआ जहां ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर चैंपियन बना। वहीं तीसरा फाइनल लॉर्ड्स के मैदान पर हुआ जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराया।

शास्त्री ने कहा, ÷मुझे लगता है कि शुरुआत में इसका लॉर्ड्स में आयोजन अच्छा है पर लोकप्रियता और प्रशंसा मिलने के बाद इसे अन्य जगहों पर भी आयोजित किया जा सकता है। मुझे लगता है कि इसके फाइनल के लिए अहमदाबाद स्टेडियम भी अच्छा रहेगा।÷

उन्होंने साथ ही कहा, मूल रूप से, ऐसी जगहें जहां आप भीड़ खींच सकते हैं डब्लयूटीसी फाइनल के लिए अच्छी है लॉर्ड्स 100,000 सीटों वाला स्टेडियम नहीं है। इसलिए चाहे कोई भी टीम खेल रही हो, आपको पता है कि आपको अच्छी भीड़ मिलेगी, इसलिए स्टेडियम बदलना ठीक रहेगा। गौरतलब है कि साल 2031 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल तक की मेजबानी इंग्लैंड के पास है, वहीं भारतीय बोर्ड ने 2027 फाइनल के लिए बोली लगाई थी पर उसे ये नहीं मिली।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेंगे अविनाश साबले

नई दिल्ली।

भारतीय एथलीट अविनाश साबले अब पूरी तरह से फिट हैं और उनकी निगाहें सितंबर में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप सहित आगामी प्रतियोगिताओं में स्टीपलचेज़ में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। एशियाई खेलों के स्टीपलचेज़ चैंपियन साबले अभी ऊटी में अभ्यास कर रहे हैं और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के केंद्र में अभ्यास करने में लगे हैं। साबले ने कहा कि मेरे लिए पिछला साल कुछ खास नहीं रहा पर इस इस साल मैं डायमंड लीग में भाग ले रहा हूं। जिसके लिए मेरी तैयारी अच्छी है। मेरा लक्ष्य अपना इससे अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत समय हासिल करना है। अभी अभ्यास के 15 दिन बचे हुए हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं आठ मिनट के अपने सर्वश्रेष्ठ समय के करीब पहुंच जाउंगा। साबले साल 2023 में एशियाई खेलों के बाद से ही पिंडली की चोट से परेशान रहे हैं। उन्होंने 2025 के अपने सत्र की शुरुआत जियामेन डायमंड लीग में आठ मिनट 22.59 सेकंड के समय के साथ की और इसके बाद शाओक्सिंग में 8÷23.85 सेकंड का समय निकाला। साबले ने मई में साउथ कोरिया के गुमी में एशियाई चैंपियनशिप में 8÷20.92 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता था। साबले ने कहा कि इस बार मेरी तैयारियां अच्छी चल रही हैं। मैं सत्र की शुरुआत में चोटिल हो गया था पर इसके बाद भी मैंने चीन में दो डायमंड लीग स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। एशियाई चैंपियनशिप में भाग लेने से मेरा मनोबल बढ़ा है। जिसका लाभ मुझे मिलने की उम्मीद है।

शमी होते तो बुमराह को मिलता एक अनुभवी जोड़ीदार !

बर्मिंघम।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में आराम दिया जाएगा। ऐसे में टीम को अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी की याद आई है। शमी को इस सीरीज के लिए इसलिए जगह नहीं मिली क्योंकि वह पूरी तरह से फिट नहीं थी। इससे पहले आईपीएल में उनका प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। ऐसे में उन्हें टीम में शामिल न करने के लिए प्रबंधन को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि आईपीएल 2025 में वह नौ मैचों में 56 की औसत से केवल छह विकेट ले पाये थे। वहीं इसके बाद भी शमी को खारिज नहीं किया जा सकता क्योंकि चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने 5 मैचों में 25 की औसत से 9 विकेट लिए। इंग्लैंड दौरे पर 34 वर्षीय तेज गेंदबाज शमी को ना चुने जाने से उनके टेस्ट करियर के समाप्त होने की भी आशंका लगायी गयी पर ये सही नहीं है। अभी भी शमी बुमराह के लिए एक अच्छे सहयोगी हैं। आज जबकि बुमराह केवल तीन टेस्ट खेल कसते हैं तो सभी को शमी की याद आ रही है। ये भी कहा जा रहा है कि शमी को कम से कम दो टेस्ट के लिए तो शामिल किया जा सकता था। वह भी उनक मैचों में जिनमें बुमराह नहीं होते। शमी ने इंग्लैंड में 14 मैचों में 42 विकेट लिए हैं और वह टीम की ओर से अहम भूमिका निभा सकते थे। शमी के नहीं होने से टीम इंडिया अभी तक बुमराह के लिए सही जोड़ीदार तलाशने में असफल रही है। युवा मोहम्मद सिराज फॉर्म में नहीं हैं। वहीं आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा भी अनुभवी नहीं हैं।

क्लब विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में पहुंची बेयर्न

मियामी।

स्टार खिलाड़ी हैरी केन के शानदार प्रदर्शन से बेयर्न म्यूनिख ने क्लब विश्व कप फुटबॉल में फ्लेमेंगो को 4-2 से हरा दिया। इस मैच में हैरी ने दो गोल कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसी के साथ बेयर्न फीफा क्लब विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। अब बेयर्न की टीम शनिवार को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से मुकाबला करेगी।

जीत के बाद बायर्न के मैनेजर विन्सेंट कोम्पनी ने कहा, शुरुआती 20 मिनट हम अच्छा खेल रहे थे पर खेल की गति बहुत तेज थी। मैं सोच रहा था, इस समर में इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ क्या यह प्रदर्शन जारी रहेगा? ईमानदारी से कहूं तो, हम मैच में आगे बढ़े और मुझे लगता है कि यह प्रशंसकों के लिए एक अच्छा मैच था। हम अगले दौर में जाने पर बहुत उत्साहित हैं।

कोम्पनी ने कहा कि उनकी टीम शनिवार को अटलांटा में पीएसजी के साथ होने वाले मुकाबले पर धयान देने से पहले आराम पर जोर देगी।

इस पूर्व डिफेंडर ने कहा, हमें तरोताजा रहने अब आराम करना है। हर एक दिन का उपयोग अपनी ऊर्जा को फिर से हासिल करने के लिए करना है। आप और क्या चाहते हैं? शीर्ष टीमें सबसे बड़े मंच पर एक-दूसरे के खिलाफ खेल रही हैं। हम इसके लिए तैयार रहेंगे।

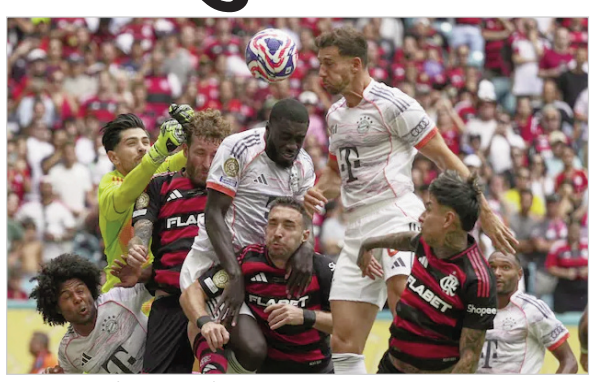

वहीं दूसरी ओर फ्लेमेंगो के हेड कोच फिलिप लुइस ने कहा, हमारे लिए यह जरूरी है कि हम अपने विरोध की ताकत को पहचानें। वह बहुत अच्छे हैं, यह हम जानते थे। इस स्तर पर कोई भी गलती हमें बाहर कर सकती है।

संक्षिप्त समाचार

गावस्कर की फटकार से आया ऋषभ में बदलाव

लंदन।

भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने आईपीएल के खराब प्रदर्शन से उबरकर इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट की दोनो पारियों में शतक लगाया है। जिसके बाद से ही उनकी तारीफ हो रही है। ऋषभ में आये इस बदलाव के पीछे उनकी मेहनत और महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर की एक डांट को बताया जा रहा है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान जब ऋषभ लापरवाही से खराब शॉट खेलकर आउट हुए थे तो गावस्कर ने उनको फटकारा था। एक रिपोर्ट के अनुसार मेलबर्न टेस्ट में खराब प्रदर्शन के बाद ऋषभ ने काफी अभ्यास भी किया। उन्होंने यहां तक कि अपना मोबाइल फोन भी बंद कर दिया था। पूर्व स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई ने कहा, उन्होंने दिन-रात बहुत कठिन सत्र किए। जब भी वह खाली होते, तो मुझे जिम में ले जाते। उन्हें थकान या काम के बोझ से मतलब नहीं था। उन्होंने बस इतना कहा कि उन्हें खुद पर काम करते रहना है।

केशव महाराज दक्षिण अफ्रीका की ओर से 200 विकेट लेने वाले पहले स्पिनर बने

बुलावायो।

कप्तान केशव महाराज की शानदार गेंदबाज से दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में 251 रनों पर समेट दिया। केशव ने अपनी टीम की ओर से सबसे अधिक तीन विकेट लिए। इसी के साथ ही उन्होंने एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। केशव अपनी टीम की ओर से टेस्ट क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाले पहले स्पिनर बन गये। इस मैच में अफ्रीकी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 418 रन बनाये। इस प्रकार उसे पहली पारी के आधार पर 167 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिल गयी है। दक्षिण अफ्रीका के लिए इससे पहले 8 गेंदबाजों ने 200 या उससे अधिक विकेट लिये पर वे सभी तेज गेंदबाज थे। महाराज ने 200 विकेट का आंकड़ा क्रेग एर्विन को आउट करके हासिल किया। केशव के अब अब 59 टेस्ट मैच में 202 विकेट हो गये हैं जिसमें 11 बार पांच विकेट और एक बार 10 विकेट शामिल हैं। गौरतब है कि दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड तेज गेंदबाज डेल स्टेन के नाम है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने अपने करियर में 439 विकेट लिए थे। उनके अलावा शॉन पॉलक ने 421 विकेट लिए और वह 400 से अधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं।

इंग्लैंड का ये पूर्व क्रिकेटर बोला, मेरे कारण सचिन का नाम हुआ

लंदन।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर एलन लैंब ने भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह उन्हें सुनील गावस्कर और विराट कोहली से भी बेहतर मानते हैं। लैंब ने कहा है कि उन्होंने अपने समय में जिन क्रिकेटरों के साथ खेल था उनसे भी बेहतर वह सचिन की बल्लेबाजी को मानते हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने मजाकिया अंदाज में कहा कि सचिन की इस सफलता में मेरा भी काफी योगदान रहा है। लैंब ने कहा कि सचिन तेंदुलकर ने जब पहला शतक लगाया था तब मैंने उनका एक कैच छोड़ा था। मेरे कैच छोड़ने के कारण ही वह शतक लगाने में सफल रहे हैं। तब सचिन 18 साल के थे। मैंने स्लिप में उनका कैच गिरा दिया था और उन्होंने शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। इसलिए मैं उनसे हमेशा कहता रहता हूं कि मेरे कारण ही आज उनका नाम है। लैंब ने साथ ही कहा,विराट भी एक शानदार खिलाड़ी हैं। उनके पास सभी तरह के शॉट हैं। वे तेजी से रन बना सकते हैं। लेकिन अगर आप उन खिलाड़ियों की बात करें जिनके खिलाफ मैं खेला हूं तो मैं सचिन का नाम लूंगा। मैं उन्हें सुनील गावस्कर से भी आगे मानता हूं। लैंब ने मैच अगस्त 1990 में मैनचेस्टर में खेले टेस्ट में सचिन का कैच छोड़ा था। इस टेस्ट में 18 साल के सचिन

ने पहला टेस्ट शतक लगाया था। इस मैच में भारतीय टीम की दूसरी पारी में सचिन का कैच तब गिरा था। इसके बाद सचिन ने 119 रन की नाबाद पारी खेली। यह टेस्ट क्रिकेट में उनका पहला शतक था। भारत ने अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर 343 रन बनाए और मैच ड्रॉ हो गया।

विश्व एथलेक्स चैम्पियनशिप में हो सकता है नीरज और अरशद का मुकाबला

नई दिल्ली।

भारत के स्टार एथलीट भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेक्स चैम्पियनशिप में उतरेगे। यहां इनका मुकाबला पाकिस्तान के अरशद नदीम से हो सकता है। अरशद भी यहां भाग लेने वाले हैं। नीरज आजकल शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पारी करने के बाद पेरिस डायमंड लीग में जीत दर्ज की। साथ ही ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक इवेंट भी वह पहले नंबर पर रहे हालांकि, पेरिस और ओस्ट्रावा में वह 90 मीटर की दूरी तय नहीं कर पाए। अब नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता में खेलते हुए दिखेंगे। नीरज दोहा में और फिर ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं पेरिस और ओस्ट्रावा में पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, इन चारों टूर्नामेंट में पाकिस्तान के नदीम नहीं थे। नदीम ने इस सत्र में ज्यादा प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है वह फिलहाल पाकिस्तान में ट्रेनिंग में ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने पिछले एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लिया था जिसमें नीरज नहीं खेले थे। नदीम ने वहां 86.40 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। नदीम ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप पर है। उन्होंने लाहौर में एक कार्यक्रम में कहा कि मेरा ध्यान विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप पर है और मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। वह जल्द ही अभ्यास के लिए इंग्लैंड जा जा रहे हैं जहां एक माह अभ्यास करेंगे।

आईसीसी ने इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम पर जुर्माना लगाया

लंदन।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम पर भारत के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया है। इस प्रकार इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम को दोहरा झटका लगा है। इस मैच में उसे भारतीय टीम ने 97 रनों से हराया था। वहीं अब उसपर मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगा है। आईसीसी के अनुसार इंग्लैंड की टीम तय समय में पूरे 20 ओवर नहीं फेंक पाई थी। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय पैनल की मैच रेफरी हेलेन पैक ने इंग्लैंड टीम पर यह जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी ने इसी को लेकर कहा, खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के न्यूनतम ओवर-रेट संबंधी नियम के तहत ही खिलाड़ियों पर तय समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच फीसदी जुर्माना लगाया जाता है। इस मामले में इंग्लैंड की कप्तान नेट साइवर-ब्रंट ने सुझाई गई सजा को स्वीकार कर लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं पड़ी। आरोप चौथे अंपायर अन्ना हैरिस, तीसरे अंपायर सू रेडफर्न और मैदानी अंपायर जेम्स मिडलब्रुक और जैकलीन विलियम्स ने लगाए थे।

बुमराह के डर से उनकी टीम जल्दी लक्ष्य हासिल करना चाहती थी : जेमी

इसी कारण जडेजा के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया

लंदन।

इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने कहा है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के डर से उनके खिलाड़ियों ने पहले टेस्ट के अंतिम दिन रविंद्र जडेजा के खिलाफ आक्रामक रूख अपनाकर जितनी जल्दी को सके लक्ष्य हासिल करने का प्रयास किया था।

जेमी के अनुसार उनकी टीम को आशंका थी कि बुमराह अगर गेंदबाजी के लिए आये तो उनकी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। इसी कारण जीत के लिए 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वह जो रूट के साथ सतर्कता से बल्लेबाजी कर रहे थे। स्मिथ इसके बाद जडेजा के खिलाफ दो छक्के और एक चौका लगाकर टीम को जीत दिलाने में सफल रहै।

स्मिथ ने कहा, 'उस समय टीम को ज्यादा रन की जरूरत नहीं थी। उस समय बुमराह के गेंदबाजी पर आने की संभावना कम थी पर खेल में आप किसी भी चीज को लेकर पूरी तरह से कुछ नहीं कह सकते। इंग्लैंड का स्कोर उस समय पांच विकेट पर 355 रन था और टीम प्रबंधन को लगा कि अगर बुमराह को गेंद मिलती है तो विकेट खोने का खतरा होगा। उन्होंने कहा, 'आप नहीं जानते कि क्या होगा।

भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में शामिल हुए स्पिनर हरप्रीत

बीसीसीआई ने जारी किया वीडियो

लंदन।

इंग्लैंड के खिलाफ 2 जुलाई से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बरार एजबेस्टन में टीम इंडिया के साथ अभ्यास करते दिखे। भारतीय टीम के पास पहले से ही रविन्द्र जडेजा और कुलदीप यादव जैसे स्पिनर हैं, ऐसे में हरप्रीत के यहां पहुंचने से सभी लोग हैरान रह गये। हरप्रीत भारतीय दल और भारत ए में भी शामिल नहीं थे। उसके बाद भी वह भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में दिखे तो सवाल उठना तया था। वहीं भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर हरप्रीत के भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में पहुंचने का एक वीडियो भी जारी किया है। इसमें हरप्रीत ने कहा है कि वह नये कप्तान शुभमन गिल के कहने पर टीम इंडिया के अभ्यास सत्र में शामिल हुए। बरार ने कहा कि उनकी पत्नी बर्मिंघम के करीब रहती है। जिसके पास वह पहुंचे थे तभी शुभमन ने उन्हें मैसेज कर अभ्यास के लिए बुलाया। बरार के अलावा, चंडीगढ़ के युवा तेज गेंदबाज जगजीत सिंह संधू भी गेस्ट गेंदबाज के रूप में नेट अभ्यास में जुड़े। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज में भारतीय टीम 1-0 से पीछे हैं। ऐसे में 2 जुलाई से शुरु हो रहे दूसरे टेस्ट के लिए टीम अभ्यास में लगी हुई है। इस मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीम बुमराह को आराम देखकर उनकी जगह अर्शदीप सिंह को अवसर मिल सकता है। इसके अलावा शार्दुल ठाकुर की जगह आकाशदीप सिंह को जगह मिलेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चुकंदर से बनाएं फेशियल से मिलेगी ग्लास स्किन, 10 मिनट में मिलेगा पार्लर जैसा निखार

अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। आज हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

आज के समय में हर महिला ग्लास स्किन पाना चाहती है। ऐसी स्किन जो इतनी साफ और निखरी हो कि शीशे की तरह चमके। इस तरह का निखार पाने के लिए महिलाएं अक्सर महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन आप किचन में मौजूद एक चीज से अच्छे रिजल्ट पा सकती हैं। वो भी सिर्फ 20 रुपए में। बता दें कि चुकंदर सिर्फ स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी अच्छा माना जाता है। चुकंदर में एंटी ऑक्सीडेंट, विटामिन सी और कई मिनरल्स पाए जाते हैं। जो स्किन को गहराई से पोषण देने का काम करते हैं।

ऐसे में अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

फेस क्लींजिंग

फेशियल का सबसे पहला और जरूरी स्टेप स्किन की गहरानी से सफाई करता है। इससे स्किन की धूल-मिट्टी और ऑयल को दूर किया जा सकता है। वहीं चुकंदर का रस नेचुरल क्लींजर की तरह काम करता है। जोकि स्किन के पोर्स साफ करता है और विटामिन देता है। गुलाब जल स्किन को शांत करने के साथ ही नमी देने का काम करता है और स्किन के पीएच बैलेंस को बनाए रखता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
गुलाब जल-2 चम्मच
विधि

चुकंदर के रस में गुलाबजल मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद कॉटन को भिगोकर फेस और गर्दन को अच्छे से साफ कर लें।

ऐसा करने से सारी गंदगी साफ हो जाएगी और ऑयल भी साफ होगा। इससे आपकी तरोताजा लगेगी।

फेस स्क्रब

बता दें कि क्लींजिंग के बाद स्किन को एक्सफोलिएट करना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि डेड स्किन सेल्स हट जाएं और आपकी स्किन खुलकर सांस ले सके। इससे ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या दूर होती है। वहीं कॉफी नेचुरल एक्सफोलिएट है, जोकि डेड स्किन को हटाने, स्किन को स्मूथ बनाने और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में मदद करता है। चुकंदर का रस स्किन को पोषण और ग्लो देने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम?मच
कॉफी पाउडर- 2 चुटकी
विधि

चुकंदर के जूस में कॉफी पाउडर मिलाकर इसको अच्छे से मिक्स करके दरदरा पेस्ट बनाएं।

अब इस स्क्रब को फेस और गर्दन पर लगाएं और उंगलियों में पोरों से हल्के हाथों से फेस पर 2-3 मिनट के लिए मसाज करें।

कुछ देर मसाज करने के बाद फेस को गुनगुने पानी से धो लें।

इससे आपका चेहरा पहले से ज्यादा साफ और चमकदार नजर आएगा।

स्किन लाइटिंग जेल

स्क्रबिंग के बाद स्किन को शांत करने और नमी देना जरूरी होता है। स्किन लाइटनिंग जेल आपकी त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ चमकदार बनाने का काम करता है। एलोवेरा जेल हाइड्रेटिंग, सूदिंग और हीलिंग गुणों के लिए जाना जाता है। एलोवेरा स्किन की जलन को कम करता है, नमी को लॉक करता है और स्किन को सॉफ्ट बनाता है। एलोवेरा को चुकंदर के साथ मिलाकर लगाने से स्किन की रंगत में सुधार होता है और ग्लो आता है।

सामग्री
चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
एलोवेरा जेल- 2 चम्मच

विधि

सबसे पहले चुकंदर के रस में एलोवेरा जूस को अच्छे से मिक्स करें।

अब फेस को साफ करके 5 मिनट मसाज करें।

इसके बाद चेहरे को धो लें।

फेस पैक

फेशियल का लास्ट स्टेप फेस पैक होता है, जो आपकी स्किन को टाइट करने का काम करता है। स्किन को पोषण देता है और परमानेंट ग्लो देता है। इस फेस पैक में मौजूद बेसन आपकी स्किन की गहराई से सफाई करता है और एक्स्ट्रा ऑयल को सोखता है और स्किन की रंगत को निखारने का काम करता है। वहीं गेहूं का आटा स्किन को एक्सफोलिएट करने के साथ टैनिंग को रिमूव करने में भी मदद करता है। साथ ही चुकंदर का रस इस फेस पैक को एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर बनाने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
आटा- 1 चम्मच
बेसन- 1 चम्मच

विधि

सबसे पहले बेसन में आटा और चुकंदर का जूस मिलाकर फेस पैक बनाएं।

अब इसको लाइटनिंग फेस पैक को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

फिर 20 मिनट बाद फेस वॉश कर लें।

चुकंदर फेशियल के सभी स्टेप्स को पूरा करने के बाद आप पाएंगे कि आपकी स्किन में पॉजिटिव बदलाव आए हैं। इससे न सिर्फ आपकी स्किन साफ और तरोताजा बनेगी, बल्कि सॉफ्ट और शाइनी बन जाएगी। ठीक वैसे जैसे ग्लास स्किन होती है। इस फेशियल को सप्ताह में एक बार इस्तेमाल करने से आपकी स्किन की रंगत में सुधार होता है, स्पॉट्स आदि कम होते हैं और बिना किसी खर्चे के आपको शीशे जैसी चमकती स्किन मिलेगी।

क्या यूरिक एसिड में चना खा सकते हैं?

हाई यूरिक की समस्या समय के साथ बेहद गंभीर रूप लेनी लगती है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती कि जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इसकी पथरियां आपकी किडनी में जमा होने लगती है। इसके अलावा ये शरीर के तमाम अंगों को भी प्रभावित करने लगता है जैसे कि ये हड्डियों के बीच पथरियों के रूप में जमा हो जाता है और सूजन का कारण बनने लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप हाई प्रोटीन वाले फूड्स के सेवन से बचें। तो, ऐसे में सवाल ये है कि हाई यूरिक में चना खाएं या नहीं।

क्या हाई यूरिक में चना खा सकते हैं?

नहीं, अगर किसी को हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो उसे चना, चने की दाल और चने की बनी तमाम चीजों को खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए कि चने में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ती है। इतना ही नहीं अगर किसी को पहले से ही हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो चना खाना सूजन को ट्रिगर कर सकता है और दर्द का कारण बन सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको हाई यूरिक एसिड में चना खाने से बचना चाहिए।

अगर खाएं तो कैसे खाएं?

अगर आपका यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आपको चने को बिलकुल कम मात्रा में खान चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि इसे अंकुरित करके या फिर इस उबालकर खाएं। इस तरह से चने में फाइबर की मात्रा बढ़ती है जो कि पाचन क्रिया को इतना तेज कर देता है कि चने में मिलने वाला प्रोटीन पच जाता है। साथ ही ये मल में थोक जोड़ने का काम करता है जिससे पेट साफ होता है, प्यूरिन मल के साथ बाहर निकल जाता है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

तो, पहले तो चना खाने से परहेज करें और अगर आप खा भी रहे हैं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसे करना आपको यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसकी जगह आप मूंग जैसी दाल का सेवन कर सकते हैं।

घर पर बना रहे हैं पंजाबी दाल तड़का, ये टिप्स आएंगे आपके बेहद काम

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

जब कुछ हल्का लेकिन टेस्टी खाने का मन होता है तो हम अक्सर दाल खाना पसंद करते हैं। अमूमन दाल को घर-घर में अलग तरीकों से बनाया जाता है। लेकिन अगर आपको चटपटा खाना पसंद आता है तो ऐसे में आप पंजाबी दाल तड़का बनाकर उसका स्वाद चख सकते हैं। पंजाबी दाल तड़का में लहसुन की खुशबू और ऊपर से लगाया हुआ तड़का आपको स्वाद की एक अलग दुनिया में लेकर आता है। आप दाल तड़का को चावल के साथ या फिर तंदूरी रोटी के साथ खा सकते हैं।

लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि हर बार दाल वैसी नहीं बनती। कभी ज़्यादा पानीदार हो जाती है तो कभी इसका स्वाद उतना अच्छा नहीं आता है। ऐसे में जरूरी है कि आप पंजाबी दाल तड़का बनाते हुए कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करें। इन टिप्स की मदद से आपकी दाल एकदम रेस्टोरेंट स्टाइल बनती है और हर किसी को वह खाने में बेहद ही अच्छी लगती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पंजाबी दाल तड़का बनाते समय फॉलो किए जाने वाले कुछ आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

अलग-अलग दालों का करें इस्तेमाल

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

दाल को आधे घंटे भिगोएं

दाल को कभी भी सीधे ही उबालने के लिए नहीं रखना चाहिए। इसकी जगह आप इसे कम से कम 30 मिनट भिगो कर रखें। इससे दाल जल्दी पकती है, बराबर पकती है और पाचन भी आसान होता है। ये रेस्टोरेंट वाली स्मूथ दाल की टेक्सचर का राज है।

दाल को अच्छी तरह पकाएं

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह पूरी तरह नरम होनी चाहिए, दानेदार नहीं। इसके लिए दाल में कम से कम 3-4 सीटी लगाओ, फिर अच्छी तरह मैश करो। मैश करने से दाल चिकनी और क्रीमी बनती है, जो रोटी या चावल के साथ खाने में काफी अच्छी लगती है।

तड़के का रखें ख्याल

पंजाबी दाल तड़का का असली स्वाद उसके तड़के में छिपा होता है, इसलिए आप उसके साथ किसी तरह का समझौता ना करें। तड़के के लिए देसी घी का इस्तेमाल करें। सबसे पहले उसे अच्छे से गरम करो, फिर जीरा, हींग, लहसुन और प्याज डालो। गरम घी में जीरा और लहसुन का पूरा स्वाद आता है और उसकी खुशबू निकलती है। अब आप इसे ठंडे घी में डालोगे तो वो क्रैकलिंग नहीं करेगा और फ्लेवर भी नहीं आएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

3 जुलाई से शुरु हो रही अमरनाथ यात्रा, यात्रियों की सुरक्षा के लिए बनाई चौकियां

तीर्थयात्रियों की जांच व सम्मानजनक व्यवहार के बीच संतुलन बनाने के निर्देश

जम्मू।

अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियां चल रही हैं। सुरक्षा बल और प्रशासन तीर्थयात्रा से पहले निरीक्षण और ट्रायल रन कर रहे हैं। यह यात्रा 3 जुलाई को जम्मू-कश्मीर के बालटाल और पहलगाम से शुरू होगी। ऑनलाइन विंडो से चूकने वाले श्रद्धालुओं के लिए पंजीकरण जम्मू के विशेष केंद्रों पर शुरू हो गया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं। जम्मू के बेस कैंप यात्री निवास में रसद और प्रतिक्रिया प्रणालियों का परीक्षण करने के लिए बसों को पूरी सुरक्षा के साथ भेजा गया है। तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को 2 जुलाई को औपचारिक रूप से जम्मू से रवाना किया जाएगा। तीर्थयात्रा से पहले सुरक्षा बलों और नागरिक प्रशासन की सुरक्षा और तैयारी सुनिश्चित की जा रही हैं। सुरक्षा इकाइयों की तत्परता और समन्वय का परीक्षण करने के लिए अभ्यास के दौरान बसों को पूर्ण सुरक्षा कवर के तहत भेजा गया। इस अभ्यास में भूस्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं जैसे आपातकालीन परिदृश्यों का अनुकरण किया गया, जिसमें फंसे हुए तीर्थयात्रियों के लिए त्वरित प्रतिक्रिया, निकासी और चिकित्सा सहायता पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस सिमुलेशन में फंसे हुए वाहनों को बचाना, घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार प्रदान करना और आपदा प्रतिक्रिया और सुरक्षा टीमों द्वारा एकीकृत प्रयासों के माध्यम से त्वरित राहत का समन्वय करना शामिल था। हाल ही में सुरक्षा संबंधी धमकियों के बावजूद श्रद्धालुओं का जोश कम नहीं है। एक तीर्थयात्री ने कहा कि मुझे अमरनाथ पर भरोसा है। आतंकवादी कुछ भी करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे। मैं लोगों से जम्मू-कश्मीर आने और यह दिखाने का आग्रह करता हूं कि हम डरे हुए नहीं हैं। जम्मू पुलिस ने 3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और किसी भी साजिश को नाकाम करने के लिए जांच चौकियां बनाई हैं। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर जम्मू पुलिस ने जिले भर में रणनीतिक रूप से अहम कई स्थानों पर संयुक्त जांच चौकी स्थापित करके सुरक्षा व्यवस्था को काफी मजबूत कर दिया है। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रा को निर्बाध और सुरक्षित बनाने के लिए अर्द्धसैनिक बलों के साथ समन्वय में जांच चौकी स्थापित की गई हैं। ये चौकियां राष्ट्रीय राजमार्गों, जम्मू के आसपास और भगवती नगर आधार शिविर की ओर जाने वाले मार्गों सहित संवेदनशील और अत्यधिक व्यस्त आवाजाही वाले क्षेत्रों में 24 घंटे चालू रहेंगी।

संक्षिप्त समाचार

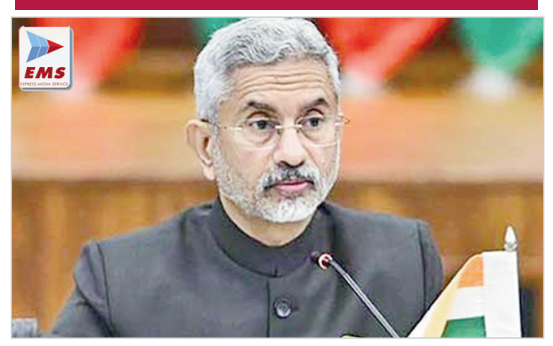

क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल हो रहे जयशंकर करेंगे हिंद-प्रशांत क्षेत्र साझा दृष्टिकोण पर चर्चा

नई दिल्ली।

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका के लिए रवाना हो रहे है। इस दौरान वे क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने और स्वतंत्र व खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण को मजबूत करने पर केंद्रित चर्चा करने वाले है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जयशंकर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के निमंत्रण पर 30 जून से 2 जुलाई तक अमेरिका यात्रा पर जा रहे है। यात्रा के दौरान वे 1 जुलाई को आयोजित होने वाली क्वाड बैठक में भाग लेने वाले हैं, जो इस साल 21 जनवरी को वॉशिंगटन में हुई पिछली बैठक की चर्चाओं का विस्तार होगी। जयशंकर यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय भी जाएंगे, जहां वे फ्ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्मफ्र नामक एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने वाले है। यह प्रदर्शनी आतंकवाद के मानवीय प्रभाव को उजागर करने के उद्देश्य से लगाई जा रही है। यह यात्रा तब हो रही है जब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियाँ, मालवाहक मार्गों की स्वतंत्रता, और रणनीतिक सहयोग की आवश्यकता तेजी से बढ़ रही है। भारत के लिए यह बैठक रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने और वैश्विक मंचों पर अपनी भूमिका मजबूत करने का एक प्रमुख अवसर मानी जा रही है।

भाजपा देश का संविधान बदलना चाहती है- कन्हैया कुमार

पटना।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने पटना में वक्फ कानून के विरोध में आयोजित की गई रैली को लेकर कहा कि यह प्रदर्शन हर उस नागरिक का है जो देश के संविधान पर विश्वास रखता है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान कन्हैया कुमार ने भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के संविधान को बदलना चाह रही है। इसी कड़ी में वक्फ कानून लाया गया है। यह कानून देखने में भले लग रहा हो, यह एक समुदाय का मामला है, लेकिन सही में यह मामला देश के सभी नागरिकों का मामला है। यही कारण है कि कांग्रेस वक्फ कानून का विरोध संसद से लेकर सड़क तक कर रही है। इस मामले को लेकर आगे भी जो संघर्ष होगा, इसमें पार्टी पूरी मुस्तैदी के साथ रहेगी। इधर, चुनाव आयोग के मतदाता पुनरीक्षण को लेकर कन्हैया कुमार ने कहा कि पहले आयोग यह मान ही नहीं रही थी कि कोई गड़बड़ी भी है। चुनाव आयोग इससे इंकार करता रहा है, लेकिन अब तो यह स्वीकार कर लिया कि गड़बड़ी है। गड़बड़ी के भी दो पहलू हैं। पहला पहलू है कि जो भाजपा समर्थक वोटर हैं, उनका नाम जोड़ा जाता है और जो भाजपा विरोधी मतदाता हैं, उनका नाम हटाया जाता है।

आंध्र प्रदेश में लॉरी और मिनी ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत

अन्नामाया।

आंध्र प्रदेश के अन्नामाया जिला स्थित कुरबल कोटा में सोमवार सुबह एक लॉरी और मिनी ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत हुई और 11 अन्य लोग घायल हुए है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हादसे में मारे गए लोग 14 लोगों के एक समूह का हिस्सा थे जो एक मिनी ट्रक में तिरुमाला से बगपल्ली लौट रहे थे, तभी गलत दिशा से आ रही लॉरी (कंटेनर ट्रक) कदिरी-मदनपल्ली राजमार्ग पर मिनी ट्रक से टकरा गई। वे तड़के तीन बजे से साढ़े तीन बजे के बीच तिरुमाला से रवाना हुए थे। मिनी ट्रक सही दिशा में जा रहा था लेकिन गलत दिशा से आ रही लॉरी (कंटेनर ट्रक) ने मिनी ट्रक को टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य को मामूली चोटें आईं जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, घटनास्थल के पास दो लॉरियां देखी गईं।

कांग्रेस सांसद सोवियत रुस के एजेंट के तौर पर करते थे काम, मिलती थी फंडिंग

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

गोड्डा।

झारखंड के गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के दिवंगत नेता एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से ज़्यादा कांग्रेस के सांसद सोवियत रूस से फंडिंग करते थे और उसके ऐजेंट के तौर पर काम करते थे। सांसद ने ये आरोप यूएस एजेंसी सीआईए द्वारा 2011 में जारी दस्तावेज के आधार पर लगाए हैं। दुबे ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा कि कांग्रेस, भ्रष्टाचार और ग़ुलामी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बड़े नेता दिवंगत एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से ज़्यादा कांग्रेस के सांसद सोवियत रूस के पैसे पर पलते थे और रूस के लिए दलाली करते थे। दुबे ने पत्रकारों के समूह पर एजेंट के तौर पर काम करने की बात भी पोस्ट में लिखी। पत्रकारों के समूह उनके दलाल थे और कुल 16 हज़ार न्यूज़ आर्टिकलों का ज़िक्र है जो रुस ने छपवाए। नेताओं की फंडिंग और पत्रकारों की दलाली के अलावा रूसी लोगों के हिन्दुस्तान में रहने के भी आरोप लगाए हैं। दुबे ने आगे लिखा कि उस जमाने में रुस के जासूसी संस्थानों के 1100 लोग हिंदुस्तान में थे जो नौकरशाही, व्यापारी संगठनों, कम्युनिस्ट पार्टियों, ओपिनियन मेकर को अपनी जेब में रखते थे और सूचना के साथ भारत की नीति बनाते थे। दुबे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की उम्मीदवार सुभद्रा जोशी ने लोकसभा चुनाव में उस वक़्त 5 लाख रुपए लिए थे। जर्मन सरकार से चुनाव के नाम पर। हारने के बाद इंडो जर्मन फोरम की अध्यक्ष बनीं। दुबे सवालिया अंजाद में लिखा- यह देश था या ग़ुलामों, दलालों या बिचौलियों की कठपुतली। कांग्रेस इसका जवाब दे?

उत्तराखंड में भारी बारिश की चेतावनी, हिमाचल के 4 जिलों में रेड अलर्ट

शिमला।

हिमाचल में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के कुछ जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी को देखकर संबंधित जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि वे भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी रेड अलर्ट को ध्यान में रखकर अपने-अपने जिलों में सभी स्कूलों को बंद करने के आदेश तुरंत जारी करें। यह निर्णय विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देकर लिया गया है।

आदि कैलाश मार्ग फिर बंद

धारचूला में बारिश आफत बन चुकी है। आदि कैलाश यात्रा का मार्ग फिर से बंद कर दिया गया है। आदि कैलाश यात्रा मार्ग दोबाट में चट्टान दरकने से बंद हुआ है। कार्यदाई संस्था सड़क खोलने में जुटी है। हालांकि, सड़क खोलने में समय लग सकता है। देर रात से धारचूला में मूसलाधार बारिश हो रही है। इस वजह से गीली मिट्टी में भूस्खलन ज्यादा हो रहा है।

रुद्रप्रयाग जिले में रविवार देर रात से मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। केदारनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को सोनप्रयाग में रोका गया है। केदारनाथ हाईवे पर जगह-जगह भूस्खलन हो रहा है। हाईवे के विजयनगर में ऊपरी पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरा। इससे चार से पांच वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा है। बदरीनाथ हाईवे भी देर रात से सिरोबगड़ में बंद है। राजमार्ग के दोनों ओर सैकड़ों वाहन फंसे हैं।

टोक्यो से दिल्ली आ रही फ्लाइट में बढ़ी गर्मी, पायलट ने कोलकाता में कराई लैंडिंग

एयर इंडिया ने की यात्रियों के लिए होटल, भोजन और वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था

नई दिल्ली।

एअर इंडिया की टोक्यो से दिल्ली आ रही अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट एआई357 को रविवार को कोलकाता डायवर्ट करना पड़ा क्योंकि विमान के केबिन में गर्मी बढ़ती जा रही थी। यह कदम यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट ने जापान के हानेडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी और इसे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरना था। हालांकि, मध्य उड़ान में केबिन एयर कंडीशनिंग सिस्टम में तकनीकी खराबी आने के कारण तापमान असामान्य रूप से बढ़ गया। यात्रियों और क्रू मेंबर को गर्मी के कारण असुविधा होने लगी, जिसके बाद पायलट ने फैसला लिया कि विमान को नजदीकी बड़े एयरपोर्ट कोलकाता की ओर मोड़ दिया जाए। एअर इंडिया की ओर से जारी बयान में कहा गया कि रविवार को टोक्यो के हानेडा से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट एआई357 को केबिन में लगातार गर्म तापमान के कारण एहतियातन कोलकाता

डायवर्ट किया गया। विमान कोलकाता में सुरक्षित रूप से लैंड हुआ है और उसकी तकनीकी जांच की जा रही है।

एक जुलाई से आपकी की जेब पर बढ़ेगा बोझ, सरकार कर रही नियमों में बदलाव

नई दिल्ली।

1 जुलाई 7 बड़े बदलाव हो रहे हैं, जो आपके बजट पर प्रभाव डाल सकते हैं। 1 जुलाई से क्रेडिट कार्ड पेमेंट, ऑनलाइन वॉलेट ट्रांजैक्शन और पैन कार्ड जैसे जरूरी कामों के नियम बदल रहे हैं। दूसरी ओर रेलवे भी नया किराया लागू करने जा रहा है। इससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों की जेब पर बोझ बढ़ेगा। इसके अलावा एलपीजी सिलेंडर के दाम भी 1 जुलाई को अपडेट हो सकते हैं। एलपीजी सिलेंडर के नए रेट 1 जुलाई को जारी होंगे। अभी एक जून को 19 किलो वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में कटौती की गई थी। दिल्ली से कोलकाता तक यह सिलेंडर 25 रुपए सस्ता किया गया था। वहीं, घरेलू गैस सिलेंडर 14 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम में 1 अगस्त 2024 से कोई बदलाव नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि इसके दामों में भी बदलाव हो सकता है। एटीएम इस्तेमाल करना अब और महंगा हो जाएगा। आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहक अब महीने में तीन बार से ज्यादा दूसरे बैंक के एटीएम से पैसे निकालेंगे तो अतिरिक्त चार्ज देना होगा। वहीं अब आधार कार्ड के बिना नया पैन कार्ड नहीं बनेगा। पैन कार्ड बनवाने के लिए आधार कार्ड देना अनिवार्य होगा। यदि आपके पास पहले से पैन और आधार दोनों हैं, तो इन्हें लिंक करना जरूरी है। इसके लिए 31 दिसंबर, 2025 तक का समय दिया गया है। समय पर लिंक न कराने पर जुर्माना या पैन कार्ड अमान्य हो जाएगा। वहीं भारतीय रेल यात्री किराया बढ़ाने जा रहा है। कोरोना महामारी के बाद यह पहली बार है, जब किराए में बढ़ोतरी की जा रही है। नॉन-एसी (स्लीपर/सामान्य श्रेणी) में 1 पैसा/किमी, एसी कोच 2 पैसे/किमी, 500 किमी तक की सेकंड क्लास यात्रा पर कोई बढ़ोतरी नहीं की जा रही है। 500 किमी से ज्यादा की सेकंड क्लास यात्रा पर 0.5 पैसा/किमी की जा रही है। अब ट्रेन टिकट बुकिंग में ओटीपी को अनिवार्य कर दिया गया है। आईआरसीटीसी पर अब तत्काल टिकट बुकिंग के लिए मोबाइल पर ओटीपी आएगा। ओटीपी सत्यापित किए बिना बुकिंग पूरी नहीं होगी। बुकिंग के पहले 30 मिनट तक एजेंट तत्काल टिकट नहीं खरीद सकेंगे।

प्रयागराज में चंद्रशेखर के हाउस अरेस्ट के बाद भड़की हिंसा, दर्जनों वाहन फूंके, 15 घायल

प्रयागराज।

आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आज़ाद को प्रयागराज में हाउस अरेस्ट कर लिया गया। वे कौशांबी और करछना में हाल ही में हुई घटनाओं के पीड़ित परिवारों से मिलने जा रहे थे, लेकिन प्रशासन ने कानून-व्यवस्था के मद्देनज़र उन्हें सर्किट हाउस से बाहर निकलने से रोक दिया।

इसके विरोध में उन्होंने अपने समर्थकों के साथ सर्किट हाउस परिसर में ही धरना शुरू कर दिया। इसी बीच शहर में हिंसा भड़क गई। चंद्रशेखर रविवार को हाउस अरेस्ट हुए, जिसकी खबर तेजी से शहर में फैलते ही करछना इलाके में करीब 5,000 समर्थकों की भीड़ ने सड़क पर जमकर हंगामा किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की 8 गाड़ियों और 7 निजी वाहनों में तोड़फोड़ की, बसों पर पथराव किया और भड़ेवरा बाजार में ईंट-पत्थरों की बरसात कर दी गई। हिंसा के दौरान 15 लोग घायल हुए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। बाजार के स्थानीय दुकानदारों ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों ने सवर्ण समुदाय की दुकानों को निशाना बना कर तोड़फोड़ की।

पुलिस पर हमला, हालात बेकाबू

हालात बिगड़ते देख पुलिस ने लाठीचार्ज किया लेकिन प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हुए। इसके बाद नैनी, करछना, घूरपुर, बारा, मुट्ठीगंज, औद्योगिक क्षेत्र समेत कई थानों की फोर्स, पीएसी और आरएएफ मौके पर भेजी गई। करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद स्थिति पर काबू पाया गया।

17 कार्यकर्ता हिरासत में, 42 बाइकें सीज

पुलिस ने अब तक भीम आर्मी के 17 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। मौके से 42 लावारिस बाइकें बरामद हुई हैं, जिन्हें पुलिस ने थाने में सीज कर दिया है। माना जा रहा है कि हिंसा में शामिल लोग पुलिस कार्रवाई के दौरान अपनी बाइकें छोड़कर भाग खड़े हुए।

जांच जारी, कानून-व्यवस्था पर सवाल

पुलिस मामले की जांच में जुटी है और उपद्रवियों की वीडियो फुटेज और सीसीटीवी के आधार पर पहचान की जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासन की तैयारी और सूचना तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब आरक्षण चार्ट चार की बजाय आठ घंटे पहले जारी होगा, यात्रियों को होगी सुविधा

नई दिल्ली।

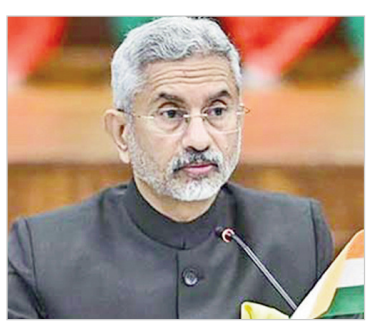

भारतीय रेलवे ने यात्रियों को बड़ी राहत की घोषणा की है। अब आरक्षण चार्ट चार घंटे की बजाय आठ घंटे पहले जारी होगा। इससे यात्रियों को सहूलियत होगी। दोपहर दो बजे से पहले प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के लिए चार्ट एक दिन पहले रात नौ बजे तैयार किया जाएगा। नई पीआरएस प्रति मिनट 1.5 लाख से ज्यादा टिकट बुकिंग की अनुमति देगी। इसके अलावा 1 जुलाई से आईआरसीटीसी की वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर केवल प्रमाणित यूजरों को ही तत्काल टिकट बुक करने की इजाजत होगी। जुलाई के अंत से तत्काल बुकिंग के लिए ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण किया जाएगा। प्रमाणीकरण यूजर के डिजिलॉकर खाते में उपलब्ध आधार या किसी अन्य सत्यापन योग्य सरकारी आईडी का उपयोग करके किया जा सकेगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में सुधारों की समीक्षा की थी। उन्होंने कहा था टिकटिंग सिस्टम स्मार्ट, पारदर्शी, सुलभ और कुशल होना चाहिए। योजना यात्री सुविधा पर केंद्रित होनी चाहिए। सिस्टम को यात्रियों के लिए एक सहज और आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करना चाहिए। वर्तमान में आरक्षण चार्ट ट्रेन के प्रस्थान से चार घंटे पहले तैयार किया जाता है। इससे यात्रा के लिए मन में अनिश्चितता पैदा होती है। इस अनिश्चितता को दूर करने के लिए रेलवे बोर्ड ने प्रस्थान से आठ घंटे पहले आरक्षण चार्ट तैयार करने का प्रस्ताव दिया है।

रेल मंत्री ने इस प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए बोर्ड को निर्देश दिया कि इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए ताकि किसी तरह की बाधा पैदा न हो। इस कदम से वेटिंग टिकट की सूची वाले यात्रियों की अनिश्चितता कम होगी। यात्रियों को वेटिंग लिस्ट की स्थिति के बारे में पहले ही जानकारी मिल जाएगी। इससे दूर-दराज के इलाकों या बड़े शहरों के उपनगरों से लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ने वाले यात्रियों को फायदा होगा। इससे वेटिंग सूची कन्फर्म न होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए समय भी मिलेगा।

ऑपरेशन सिंदूर में कई विमान नहीं खोए बल्कि कुछ खोए हैः कैप्टन कुमार

नई दिल्ली।

इंडोनेशिया में यूनिवर्सिटीस दिर्गंतारा मार्सेकल सूर्यादर्मा द्वारा 10 जून को 'पाकिस्तान-भारत हवाई युद्ध' पर सेमिनार आयोजित किया गया था। सेमिनार में दिए गए 35 मिनट के प्रेजेंटेशन में कैप्टन शिव कुमार ने कहा कि मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कई फाइटर जेट खोए, लेकिन मैं इस बात से सहमत हूं कि हमने कुछ विमान खो दिए। उन्होंने कहा कि ऐसा केवल इसलिए हुआ क्योंकि भारत की पॉलिटिकल लीडरशिप ने 7 मई के हमले के वक्त कहा था कि पाकिस्तान की मिलिट्री और उनके एयर डिफेंस को निशाना नहीं बनाना है।

हमनें सेमिनार में भारतीय रक्षा से जुड़े जवान से संबंधित मीडिया रिपोर्ट देखी हैं। उनके बयान को विषय से बाहर जाकर पेश किया गया है। इस संबंध में छपी मीडिया रिपोर्ट उनके द्वारा कही गई बातों को गलत तरीके से प्रेस्तुत किया गया हैं। उनकी प्रेजेंटेशन में बताया गया कि भारतीय सशस्त्र बल हमारे पड़ोसी व कुछ अन्य देशों के विपरीत सिविल पॉलिटिकल लीडरशिप के तहत काम करते हैं। यह भी बताया गया कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाना था और भारतीय प्रतिक्रिया बिना उकसावे वाली थी। ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में अंजाम दिया था। 7 मई को भारत ने लश्कर ए तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के हेडक्वार्टर पर बम बरसाए। भारत ने इस दौरान कुछ विमान खोए। जवाब में पाकिस्तान की तरफ से जब रिएक्शन दिया गया तो वायुसेना ने पाकिस्तान के 12 में से 11 एयरफोर्स स्टेशन पर ब्रह्मोस मिसाइल से हमले किए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

मरियम नवाज के भाषण में बाधा डालने पर इमरान खान के 26 विधायक निलंबित

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की पंजाब विधानसभा में शनिवार को इमरान खान की पार्टी के 26 विधायकों को मुख्यमंत्री मरियम नवाज के भाषण के दौरान कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में निलंबित कर दिया गया। पंजाब विधानसभा अध्यक्ष मलिक अहमद खान ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 26 विधायकों को 15 सत्रों के लिए निलंबित करने का आदेश दिया। उन पर अशिष्ट व्यवहार और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप है। निलंबित विधायकों ने मरियम और उनके पिता व तीन बार के प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ के खिलाफ नारेबाजी की थी। उन्होंने मरियम को सेना प्रतिष्ठान की ओर से चयनित मुख्यमंत्री बताया। पीटीआई विधायकों पर प्रांतीय विधानसभा में मरियम के भाषण को बाधित करने, स्पीकर की मेज के सामने विरोध प्रदर्शन करने और कुछ सत्तारूढ़ दल के सदस्यों का रास्ता रोकने का भी आरोप है। अध्यक्ष ने कहा, निलंबित विधायकों ने शुक्रवार के सत्र के दौरान एजेंडा पेपर फाड़कर सत्तापक्ष की ओर फेंकने सहित असंसदीय भाषा और नारेबाजी की। विपक्ष के 10 सदस्यों पर सत्र के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में प्रत्येक पर 2 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया गया।

नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति विद्या देवी सीपीएन यूएमएल में शामिल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने शनिवार को सत्तारूढ़ दल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) की सदस्यता ले ली। इसके साथ ही उन्होंने फिर से सक्रिय राजनीति की घोषणा की। देश के शीर्ष संवैधानिक पद को संभालने के लिए उन्होंने एक दशक पहले पार्टी छोड़ी थी।

पीटर ब्रुक की महाभारत का प्रीमियर लंदन के सम्मेलन में

लंदन , एजेंसी। मशहूर ब्रिटिश निर्देशक पीटर ब्रुक की डिजिटल तरीके से रिस्टोर की गई फिल्म महाभारत को इस वर्ष लंदन भारतीय फिल्म महोत्सव (एलआईएफएफ) में प्रीमियर किया जाएगा। वर्ष 1989 में बनी इस फिल्म में द्रौपदी की भूमिका में प्रसिद्ध कलाकार मल्लिका साराभाई हैं। फिल्म में कई अंतरराष्ट्रीय कलाकारों ने काम किया है। प्रेम, दर्शन और युद्ध की कहानी कहती यह फिल्म समूची मानवता को समाहित करने वाली गाथा का रूपांतरण है। फिल्म का प्रदर्शन निर्देशक ब्रुक की 100वीं जयंती के दिन हो रहा है। ब्रुक को वर्ष 2021 में भारत सरकार की ओर से पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। फिल्म सम्मेलन 16 से 23 जुलाई तक लंदन व बर्मिंघम में चलेगा। एलआईएफएफ 2025 में कई अन्य फिल्में भी आकर्षण का केंद्र होंगी, जिनमें तमिल-फ्रेंच फिल्म लिटिल जाफना व निर्देशक रीमा दास की असमिया फिल्म विलेज रॉकस्टार्स 2 शामिल हैं।

खालिदा जिया की बीएनपी ने चुनाव से पहले पीआर और स्थानीय चुनावों की मांग का विरोध किया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शनिवार को कुछ इस्लामिक पार्टियों और नई बनी नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) की मांगों का विरोध किया। ये पार्टियां चाहती हैं कि राष्ट्रीय चुनाव से पहले स्थानीय चुनाव कराए जाएं और चुनाव में आनुपातिक प्रतिनिधित्व (पीआर) प्रणाली लागू की जाए। बीएनपी के प्रवक्ता सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि ये मांग करने वालों के पीछे छिपे इरादे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग पीआर प्रणाली की बात कर रहे हैं, और जो पहले स्थानीय चुनाव की बात कर रहे हैं, उनका मकसद या तो चुनाव को टालना है या फिर बिल्कुल नहीं कराना है। उन्होंने यह भी कहा कि पीआर प्रणाली बांग्लादेश की राजनीति के लिए उपयुक्त नहीं है।

भ्रष्टाचार मामले में फंसे इस्राइली पीएम; ट्रंप समर्थन में उतरे, बोले- उन्हें बड़ा काम करना है

वॉशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी के आरोपों में फंसे हुए हैं। इस्राइली पीएम के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई भी शुरू हो गई है, जिस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रतिक्रिया दी है और इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का समर्थन किया है। ट्रंप ने इसे राजनीतिक साजिश बताया और कहा कि यह भयावह स्थिति है। दरअसल इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू हमास, हिजबुल्ला और ईरान के साथ लड़ाई के बीच अपने देश में घिरे हुए हैं। नेतन्याहू पर रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और विश्वासघात जैसे आरोप हैं। हालांकि नेतन्याहू ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया और इन्हें फर्जी बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि इस्राइल में बेंजामिन नेतन्याहू के साथ जो कुछ किया जा रहा है, वह एक भयावह स्थिति है। वह एक युद्ध नायक और प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने ईरान में खतरनाक परमाणु खतरे से छुटकारा पाने में अमेरिका के साथ मिलकर शानदार काम किया है। अहम बात ये है कि वह अभी हमास के साथ एक समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें बंधकों को वापस लाना शामिल है, लेकिन उन्हें पूरा दिन अदालत में बिताना पड़ रहा है और वो भी बिना किसी बात के! यह और कुछ नहीं वैसी ही राजनीतिक प्रताड़ना है।

ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल को चर्चा की मंजूरी: सीनेट में 51-49 वोटों से प्रस्ताव पारित

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल को चर्चा के लिए मंजूरी दे दी है। शनिवार देर रात हुई वोटिंग में सीनेट ने 51-49 वोटों के अंतर से एक प्रस्ताव पारित किया, जिससे सदन को बिल पर बहस शुरू करने की इजाजत मिल गई। दो रिपब्लिकन सीनेटरों ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया। वोटिंग के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस मौजूद थे। क्योंकि टाई की स्थिति में उनके वोट करने की जरूरत पड़ सकती थी। ट्रम्प टैक्स और खर्च में कटौती करने वाले इस बिल को 4 जुलाई से पहले पारित कराना चाहते हैं।

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ इलॉन मस्क ने ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल की एक बार फिर से आलोचना की है। मस्क ने शनिवार को एक्स पर लिखा, ट्रम्प का यह बिल अमेरिका में लाखों नौकरियां खत्म कर देगा और हमारे देश को बहुत बड़ा रणनीतिक नुकसान पहुंचाएगा। मस्क ने कहा, यह पूरी तरह से पागलपन भरा और विनाशकारी है। यह कानून पुराने उद्योगों को रियायत देता है, लेकिन भविष्य के उद्योगों को तबाह कर देगा। मस्क ने पिछले महीने इस बिल को लेकर ट्रम्प प्रशासन में गवर्नमेंट एफिशिएंसी विभाग के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया था।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में फाइनल वोटिंग होगी करीब 940 पन्नों का बिग

ब्यूटीफुल बिल शुक्रवार देर रात जारी किया गया था। इस पर हफ्ते के अंत तक बहस जारी रहने की उम्मीद है, जिसमें कई संशोधन और मतदान होंगे। अगर सीनेट बिल को पास कर देता है, तो यह फाइनल वोटिंग के लिए हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में वापस आएगा। इसके बाद व्हाइट हाउस में ट्रम्प की मंजूरी के लिए जाएगा। रिपब्लिकन पार्टी के पास दोनों सदनों में बहुमत है। हालांकि, डेमोक्रेट्स के अलावा रिपब्लिकन पार्टी के कुछ अपने नेता ही बिग ब्यूटीफुल बिल का विरोध कर रहे हैं। यह बिल हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 22 मई को सिर्फ 1 वोट के अंतर से पास हो चुका है। इसके समर्थन में 215 और विरोध में 214 वोट मिले थे।

बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर भिड़े थे मस्क और ट्रम्प : ट्रम्प और मस्क 'बिग ब्यूटीफुल बिल' को लेकर आमने-सामने आ गए थे। ट्रम्प इस बिल के समर्थन में हैं, जबकि मस्क खिलाफ। ट्रम्प का दावा है कि यह 'देशभक्ति से भरा हुआ' कानून है। इसके पारित होने से अमेरिका में निवेश बढ़ेगा और चीन पर निर्भरता घटेगी। जबकि मस्क इसे पोर्क फिल्ड यानी कि बेकार खर्चों से भरा बिल मानते हैं।

ट्रम्प ने मस्क को पागल बताया, तो मस्क बोले ट्रम्प एहसान फरामोश : ट्रम्प और मस्क के बीच 5 जून को बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर बहस तब शुरू हुई जब ट्रम्प ने मीडिया से बात करते हुए मस्क को लेकर नाराजगी जताई थी। ट्रम्प ने कहा था कि जब हमने अनिवार्य तौर पर इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के कानून में कटौती करने की बात कही तो मस्क को दिक्कत होने लगी। मैं इलॉन से बहुत निराश हूं।

मैंने उनकी बहुत मदद की है। इसके बाद मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रम्प को एहसान फरामोश बताते हुए लगातार कई ट्वीट किए। मस्क ने कहा कि मैं नहीं होता तो ट्रम्प चुनाव हार जाते। उन्होंने ट्रम्प पर महाभियोग चलाने तक की बात कही थी। इसके बाद ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर मस्क को निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा- जब मैंने उनका ईवी मैंडेट (कानूनी आदेश) वापस लिया तो मस्क पागल हो गए। ट्रम्प ने मस्क की कंपनी को दी जाने वाली सब्सिडी खत्म करने की धमकी दी थी।

सर्बिया में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन, एक हादसा सरकार के गले की हड्डी बना

बेलग्राड, एजेंसी। यूरोपीय देश सर्बिया में अपनी ही सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। शनिवार को भारी संख्या में लोग विरोध प्रदर्शन के लिए राजधानी बेलग्राड में सड़कों पर उतरे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जमकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि देश में जल्द चुनाव कराए जाएं। हालांकि अभी सर्बियाई सरकार का कार्यकाल 2027 तक है, लेकिन सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, जिसके चलते लोग नाराज हैं। दरअसल आठ माह पहले सर्बिया में एक ट्रेन स्टेशन की छत गिर गई थी, जिसमें दबकर 16 लोगों की मौत हो गई थी। लोगों का मानना है कि भ्रष्टाचार और लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ और सरकार को जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुसिस को पद छोड़ना चाहिए। हालांकि बीते 12 साल से सर्बिया की सत्ता पर काबिज राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुसिस इस्तीफा देने को तैयार नहीं हैं। यही वजह है कि अब लोगों ने जल्द चुनाव कराने की मांग शुरू कर दी है। सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों का नेतृत्व विश्वविद्यालय के छात्र कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन अब देश के कई हिस्सों में फैल गए हैं। विरोध बढ़ता देख इस साल की शुरुआत में सर्बिया के प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक ने पद छोड़ दिया था। राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुसिस की पार्टी के पास सर्बिया की 250 सीटों में से 156 सीटें हैं।

इजरायली एयरस्ट्राइक में मारा गया हमास का टॉप लीडर

येरूशलम, एजेंसी। इज़रायली रक्षा बल, आईडीएफ ने एक बड़ी जानकारी दी है और दावा किया है कि

इजरायली सैनिकों ने गाजा सिटी के सबरा इलाके में एक टारगेटेड एयरस्ट्राइक के जरिए हमास के टॉप कमांडर हाकम मोहम्मद इस्सा अल-इस्सा को मार गिराया है। आईडीएफ ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है जिसके मुताबिक हमास का टॉप कमांडर अल-इस्सा इजरायल में हुए 7 अक्टूबर 2023 के नरसंहार का मास्टरमाइंड था, आतंकियों को ट्रेनिंग देता था और हमास के सैन्य विंग के संस्थापक सदस्यों में से एक था। आईडीएफ ने ट्वीट पर जारी किए गए अपने बयान में कहा है, टॉप कमांडर हाकम मोहम्मद इस्सा अल-इस्सा हमास की सैन्य ताकत बढ़ाने, आतंकियों को प्रशिक्षण देने का काम करता था और वह सात अक्टूबर के हमले में हुए नरसंहार की पूरी योजना बनाने में मुख्य भूमिका निभा रहा था। आईडीएफ ने कहा है, अल इस्सा हमास की वायु और नौसेना हमलों की योजनाओं में भी अहम भूमिका निभा चुका था, वह मारा जा चुका है। आईडीएफ और इज़रायली सुरक्षा एजेंसी आईएसए ने बताया है कि, हम अभी सात अक्टूबर 2023 में हुए हमले में शामिल सभी आतंकियों को ढूंढ-ढूंढकर खत्म करने के अभियान को आगे भी जारी रखेंगे।

जानिए कौन था मुहम्मद इस्सा अल इस्सा : हमास का टॉप कमांडर मुहम्मद इस्सा अल इस्सा हमास के जनरल सिक्योरिटी काउंसिल का सदस्य, ट्रेनिंग हेडक्वार्टर का प्रमुख और अल-क़सम ब्रिगेड्स की मिलिट्री एकेडमी का सह-संस्थापक भी था, जहां वह कथित तौर पर हजारों आतंकियों को प्रशिक्षण देने और तकनीकी क्षमता विकसित करने में लगा हुआ था। अल-इस्सा के बारे में आईडीएफ ने बताया है कि उसने सीरिया और इराक में युद्ध की ट्रेनिंग ली थी और साल 2005 में सीरिया से गाजा आया था, जहां वह हमास के सैन्य संगठन का अहम हिस्सा बन गया था।

बफेट ने छह अरब डॉलर के शेयर किए दान; शीर्ष अमीरों की सूची में एक स्थान पिछड़े दिग्गज निवेशक

वाशिंगटन, एजेंसी। अरबपति निवेशक वॉरेन बफेट ने शुक्रवार को अब तक का सबसे बड़ा सालाना दान दिया। इसके तहत उन्होंने छह अरब डॉल (लगभग 51,300 करोड़ रुपये) मूल्य के बर्कशायर हैथवे शेयर पांच चैरिटी संस्थाओं को दान किए। इनमें सबसे अधिक दान पाने वालों में बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और उनके परिवार के चलाए जाने वाले चार फाउंडेशन भी शामिल हैं।

हालांकि,बफेट ने पहले ही साफ कर दिया है कि उनकी मौत के बाद गेट्स फाउंडेशन को दान समाप्त हो जाएगा। बफेट ने इस साल कुल 12.36 मिलियन क्लास बी बर्कशायर हैथवे शेयर दान किए। इससे 2006 से अब तक उनका कुल दान 60 अरब डॉलर (करीब 5.13 लाख करोड़ रुपये) के पार हो पहुंच गया है। इस साल उन्होंने गेट्स फाउंडेशन को 94.3 लाख शेयर, सुसान थॉम्पसन बफेट फाउंडेशन को 943,384 शेयर के साथ अपने तीन बच्चों हॉवर्ड, सूसी और पीटर की चलाई जा रही हॉवर्ड जी बफेट फाउंडेशन, शेरवुड फाउंडेशन और नोवो फाउंडेशन को 6,60,366 शेयर दान किए। इस दान के बाद भी बफेट के पास बर्कशायर हैथवे के 13.8 फीसदी शेयर बने हुए हैं।

ईरानी विदेश मंत्री की ट्रम्प को चेतावनी: कहा- खामेनेई के खिलाफ गलत भाषा का इस्तेमाल बंद करें, तभी कोई समझौता होगा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी दी है कि वे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल बंद करें। अराघची ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ट्रम्प का यह रवैया न सिर्फ खामेनेई का बल्कि उनके लाखों समर्थकों का भी अपमान करता है। ट्रम्प अगर ईरान से कोई समझौता चाहते हैं तो उन्हें अपनी भाषा बदलनी होगी। अराघची का यह बयान ट्रम्प के उस दावे के बाद आया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि उन्होंने खामेनेई को मरने से बचाया, नहीं तो उनकी बहुत बुरी मौत होती।

इजराइल पर भी कसा तंज : अराघची ने इजराइल पर भी तंज किया। उन्होंने कहा कि जब ईरानी मिसाइलें गिरती हैं तो इजराइल डर के मारे 'डैडी के पास भागने' को मजबूर हो जाता है। ट्रम्प को पहली बार नाटो चीफ मार्क रूटे ने मजाकिया अंदाज में 'डैडी' कहा था। दरअसल, ट्रम्प इजराइल और ईरान पर सीजफायर तोड़ने को लेकर नाराज थे। इस दौरान उन्होंने अपशब्द का इस्तेमाल कर दिया था। इसके जवाब में नाटो चीफ ने मजाक में कहा, डैडी को कभी-कभी कठोर भाषा का इस्तेमाल करना पड़ता है ताकि उन्हें रोका जा सके। बाद में यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। ट्रम्प बोले थे- मैंने खामेनेई को भयानक मौत से बचाया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के उस दावे को झूठा करार दिया, जिसमें उन्होंने इजराइल के खिलाफ

जंग में जीत की ऐलान किया था। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर कहा था- मैंने खामेनेई को एक भयानक और अपमानजनक मौत से बचाया। मुझे यह भी उम्मीद नहीं है कि वे मुझे शुक्रिया कहेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि वह खामेनेई के ठिकाने से वाकिफ थे, लेकिन उन्होंने इजराइल और अमेरिकी सेना को उनकी हत्या से रोका, जिससे उनकी जान बच गई। उन्होंने आगे कहा, ईरान ग्लोबल सिस्टम में शामिल होने की जगह गुस्सा और दुश्मनी दिखा रहा है, जिसकी वजह से उनकी सेना, इकोनॉमी और भविष्य बर्बाद हो चुका है। इजराइली रक्षा मंत्री ने भी कहा था- खामेनेई को मारना चाहते थे इससे पहले इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने गुरुवार को कहा था कि इजराइल ईरान के सुप्रीम लीडर को खत्म करना चाहता था। काट्ज ने चैनल 13 के साथ एक इंटरव्यू में कहा, अगर खामेनेई हमारी पहुंच में होते, तो हम उन्हें मार गिराते। काट्ज ने कहा, इजराइल खामेनेई को खत्म करना चाहता था, लेकिन ऐसा करने का कोई मौका नहीं था। काट्ज से जब पूछा गया कि क्या इजराइल ने अमेरिका से इसकी इजाजत मांगी थी, इस पर उन्होंने कहा, हमें इन चीजों के लिए किसी की इजाजत की जरूरत नहीं है। इजराइल से जंग में मारे गए 60 ईरानी अफसरों का शनिवार को अंतिम संस्कार किया गया। इनमें 30 सैन्य कमांडर्स और 11 परमाणु वैज्ञानिक शामिल थे। तेहरान में इनके जनाजे में हजारों लोगों की भीड़ जुटी। जिन लोगों को दफनाया गया, उनमें ईरान के सर्वोच्च सैन्य अधिकारी मोहम्मद बाघेरी भी शामिल थे। वे ईरानी आर्मी के चीफ ऑफ स्टाफ थे। अफसरों के शवों को गाड़ियों पर ईरानी झंडे में लिपटे ताबूतों में रखे थे। ताबूतों के साथ अफसरों की तस्वीरें भी रखी थीं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची, पार्लियामेंट स्पीकर मोहम्मद बाकर कलीबाफ, ज्युडिश्यरी चीफ मोहसेनी-एजेई, आईआरजीसी कुद्स फोर्स कमांडर इस्माइल कानी सहित कई बड़े नेता और सैन्य अधिकारी भी जनाजे में पहुंचे।

शादी के बाद भी नहीं थम रहा बेजोस का विरोध; प्रदर्शनकारियों ने वेनिस में निकाला मार्च, लगाए नारे

वेनिस, एजेंसी। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के संस्थापक और अरबपति जेफ बेजोस की शादी के बाद भी उनका विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को सैकड़ों लोगों ने वेनिस की सड़कों पर मार्च निकाला। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बेजोस और उनकी पत्नी लॉरेन सांचेज की शादी के जश्न का विरोध किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी भी की। यह शादी वेनिस में तीन दिन तक बड़े धूमधाम से चली, जिसमें दुनियाभर के मशहूर सितारे शामिल हुए।

दुनिया के चौथे सबसे अमीर व्यक्ति बेजोस और लॉरेन सांचेज ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को वेनिस के एक शांत द्वीप पर करीब 200 खास मेहमानों के बीच शादी की। हालांकि, वेनिस के बहुत से स्थानीय लोग इस शादी से नाराज हो गए। उनका कहना है कि इस शादी में किया गया दिखावा शहर के असली हालात से बिलकुल उल्टा है। उन्होंने कहा कि वेनिस पहले ही ज्यादा पर्यटकों, महंगे घरों और बाढ़ जैसी समस्याओं से परेशान है।

प्रदर्शनकारियों ने शादी के तीसरे

दिन की नारेबाजी : शादी के तीसरे दिन, शनिवार (स्थानीय समयानुसार) शाम को जब नवविवाहित जोड़ा अंतिम पार्टी की तैयारी कर रहा था, तो सैकड़ों वेनेशियन और प्रदर्शनकारियों ने वेनिस की छोटी सड़कों पर रंग-बिरंगे बैनर लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बैनरों पर चुंबन हां, बोजोस नहीं और बेजोस नहीं, युद्ध नहीं जैसे नारे लिखे। लोगों ने यह प्रदर्शन शादी की भव्यता के खिलाफ किया। लोग इस शादी को आम नागरिकों और पर्यावरण का अपमान मानते हैं। विरोध को देखते हुए बदला गया पार्टी का स्थान प्रदर्शनकारियों में से एक मार्टिना वेरगनानो ने कहा कि हम यहां अमीर लोगों की योजनाओं को रोकने के लिए हैं, जो दूसरों का शोषण करके अमीर बने हैं। उन्होंने कहा कि वेनिस की हालत दिन प्रति दिन खराब हो रही है। पहले पार्टी शहर के बीच में होने वाली थी, लेकिन विरोध को देखते हुए इसका स्थान बदलकर पुराने शिपयार्ड आर्सेनल कर दिया गया। प्रदर्शन के आयोजकों ने इसे अपनी जीत बताया।

बेजोस ने तीन संगठनों को दान दिए 1-1 मिलियन यूरो : वेनिस पर्यावरण अनुसंधान संघ, कोरिला के अनुसार, बेजोस ने वेनिस के पर्यावरण की रक्षा के लिए तीन पर्यावरण अनुसंधान संगठनों को 1-1 मिलियन यूरो दान दिए। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह बस लोगों को शांत करने और अपनी छवि सुधारने की कोशिश है। विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए एक कार्यकर्ता फ्लेवियो कोगो ने कहा, हम ऐसा वेनिस चाहते हैं जो अपने लोगों के लिए हो। ये दान बस दिखावा है और बेजोस की अंतरात्मा की आवाज को दबाने का तरीका है।

पाकिस्तान में तड़के भूकंप के तेज झटके, 5.2 की तीव्रता से कांपी धरती, दहशत में आए लोग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में रविवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग दहशत में आए गए और अपने घरों से बाहर आ गए। सड़कों पर लोगों के बीच अफरातफरी देखी गई। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार की सुबह 3: 54 बजे पाकिस्तान में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया।

150 किलोमीटर की गहराई में था केंद्र : नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार रविवार तड़के आए भूकंप का केंद्र पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में 150 किलोमीटर की गहराई में था। साथ ही इसका स्थान 30.25 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 69.82 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। हालांकि इस भूकंप से किसी जनहानि की खबर अभी नहीं आई है, लेकिन लोगों में दहशत का माहौल है। गौरतलब है कि पाकिस्तान दुनिया के सबसे ज़्यादा भूकंपीय रूप से सक्रिय देशों में से एक है। यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। बीते माह 10 मई को भारत से जारी संघर्ष के बीच पाकिस्तान में 4.0 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था, और इसका स्थान 29.67 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 66.10 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया था। यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेटों को

ओवरलैप करता है पाकिस्तान पाकिस्तान भूगर्भीय रूप से यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेटों को ओवरलैप करता है। बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और गिलगित-बाल्टिस्तान प्रांत ईरानी पठार पर यूरेशियन प्लेट के दक्षिणी किनारे पर स्थित हैं। सिंध, पंजाब और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर प्रांत दक्षिण एशिया में भारतीय प्लेट के उत्तर-पश्चिमी किनारे पर स्थित हैं। ऐसे में यहां ये दोनों टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं इस वजह से भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी होती हैं। इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत कई वर्गों में बंटी हुई है जिसे टेक्टोनिक प्लेट्स कहते हैं। ये टेक्टोनिक प्लेट्स अपनी जगह पर कंपन करती रहती हैं और जब इस प्लेट में बहुत ज्यादा कंपन हो जाती हैं, तो भूकंप महसूस होता है।

यूक्रेन के पोक्रोव्स्क शहर पर कब्जे की तैयारी में रूस: 1 लाख सैनिक तैनात किए

मॉस्को, एजेंसी। यूक्रेन के सेना प्रमुख ओलेक्सांद्र सिरस्की ने बताया कि रूस ने पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क प्रांत में मौजूद पोक्रोव्स्क शहर पर कब्जे के लिए 1 लाख से ज्यादा सैनिक तैनात किए हैं। सिरस्की ने शुक्रवार को कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच पोक्रोव्स्क शहर सबसे तनावपूर्ण फ्रंट बन गया है। रूस पिछले साल से पोक्रोव्स्क पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि पिछले साल यूक्रेनी आर्मी ने इस इलाके में रूसी ऑपरेशन को नाकाम कर दिया था। सिरस्की ने बताया कि पिछले साल यूक्रेन ने कुर्स्क इलाके में हमला करके रूस के लगभग 63,000 सैनिकों को वहां उलझा दिया। इससे पोक्रोव्स्क पर रूस का दबाव कम हुआ और यूक्रेन को नए सिरे से स्ट्रैटजी बनाने का मौका मिल गया।

पोक्रोव्स्क शहर यूक्रेन के स्ट्रैटेजिक ठिकानों को जोड़ता है : पोक्रोव्स्क शहर में सड़क और रेलवे सप्लाई लाइन मौजूद है, इस वजह से इसका स्ट्रैटेजिक महत्व काफी ज्यादा है। इसके अलावा यह यूक्रेन के कोस्तियान्तिनिवका, क्रामातोर्स्क और स्लोवियान्स्क शहरों में मौजूद मिलिट्री सेंटर्स से भी जुड़ा है। सिरस्की ने आरोप लगाया कि रूस पोक्रोव्स्क पर कंट्रोल करके दुनिया के सामने अपनी मिलिट्री ताकत का दिखावा करना चाहता है। सिरस्की ने कहा- रूसी सैनिक पोक्रोव्स्क में पहुंचकर और वहां अपना झंडा फहराकर नकली जीत का दावा करना चाहते हैं।

रूसी हमले से पहले यहां 60 हजार लोग रहते थे : पोक्रोव्स्क में 60,000 लोग रहते थे, लेकिन 2022 में रूसी हमले के बाद से ज्यादातर शहर छोड़ चुके हैं। इस शहर में यूक्रेन की आखिरी कोकिंग कोल खदान थी, जो इस

साल की शुरुआत में बंद हो गई। राष्ट्रपति पुतिन का टारगेट डोनेट्स्क और लुहान्स्क पर पूरी तरह कब्जा करना है, और पोक्रोव्स्क इस स्ट्रैटजी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों का आरोप है कि पुतिन जानबूझकर शांति की कोशिशों में अड़चन पैदा कर रहे हैं ताकि वो यूक्रेन के ज्यादा से ज्यादा इलाके पर कब्जा कर सकें। हालांकि पोक्रोव्स्क में यूक्रेन की मजबूत डिफेंस लाइन रूस के लिए मुश्किल पैदा कर रही है। यूक्रेनी ड्रोन हमलों ने रोका रूस का रास्ता अमेरिका के इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर के मुताबिक, यूक्रेनी आर्मी ने ड्रोन अटैक के जरिए रूसी हमलों को नाकाम कर दिया। रूस अब शहर पर सीधा हमला करने के बजाय दक्षिण और उत्तर-पूर्व से इसे घेरने की कोशिश कर रहा है। फरवरी 2022- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमले का ऐलान करते ही यूक्रेन में रूसी टैंक धड़धड़ाते हुए घुसने लगे। तब के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बोले- पुतिन से बातचीत का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने पूरी दुनिया को खतरे में डाल दिया है। रूस को यूक्रेन पर हमले की गंभीर कीमत चुकानी होगी।

फरवरी 2025- अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पुतिन से फोन पर 90 मिनट तक बात की। इसके बाद सऊदी अरब में यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और अमेरिकी के बीच हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें यूक्रेन को नहीं रखा गया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

युवक झाड़ियों वाले सुनसान जगह पर ले गया और छात्रा के साथ दुष्कर्म किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा में पड़ोसी युवक ने छात्रा के साथ दुष्कर्म करने की खबरें सामने आई हैं। छात्रा अपने घर से किताबें लेने बाहर निकली थी। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले परिचित युवक ने उसे बाइक पर बैठने को कहा। जैसे ही वह बाइक पर बैठी, युवक उसे झाड़ियों वाले एक सुनसान जगह पर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में उसके परिजनों ने शिकायत दर्ज करवाई, जिस पर पांडेसरा पुलिस ने आरोपी हिमांशु यादव को गिरफ्तार कर पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

आरोपी ने झाड़ी-झंखरावाली जगह पर ले जाकर दुष्कर्म किया। भयभीत छात्रा ने परिवार वालों को मासिक धर्म होने का झूठ बताया और घटना छुपाने का प्रयास किया।

सूरत शहर के पांडेसरा इलाके में कक्षा 9 की पढ़ाई कर रही छात्रा के साथ पड़ोसी युवक द्वारा झाड़ियों वाले सुनसान इलाके में दुष्कर्म करने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। पांडेसरा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी हिमांशु यादव को गिरफ्तार किया है।

पांडेसरा क्षेत्र में रहने वाली पीड़ित छात्रा घर से किताब लेने निकली थी। चौराहे के पास उसे परिचित युवक हिमांशु यादव मिला। हिमांशु ने उसे बहला-फुसलाकर अपनी बाइक पर बैठाया और झाड़ियों व सुनसान इलाके में ले गया, जहां उसने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद छात्रा के गुप्तांग से खून निकलने लगा। यह देखकर हिमांशु उसे चौक पर छोड़कर फरार हो गया। खून से सने कपड़ों में जब छात्रा घर पहुंची तो उसके परिजन दंग रह गए। शुरुआत में छात्रा ने दुष्कर्म की बात छुपाते हुए मासिक धर्म होने की बात कही।

हालांकि, परिजनों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां मेडिकल जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि छात्रा के साथ दुष्कर्म हुआ है। इस खुलासे से स्तब्ध परिवार ने तुरंत पांडेसरा पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की और यह स्पष्ट हुआ कि यह जघन्य कृत्य पीड़िता के पड़ोस में ही रहने वाले हिमांशु यादव ने किया था। एसीपी जे.आर. देसाई ने बताया कि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी हिमांशु यादव को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है। आरोपी हिमांशु यादव मजदूरी का काम करता है।

943 करोड़ के डब्बा ट्रेडिंग और ऑनलाइन गेमिंग रैकेट का भंडाफोड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) ने मोटा वराछा इलाके में चल रहे एक अवैध डब्बा ट्रेडिंग और ऑनलाइन गेमिंग रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस ऑपरेशन में 943 करोड़ रुपये के आर्थिक लेन-देन सामने आए हैं और 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह रैकेट च्सनराइज डेवलपर्सज्ज नाम की कंस्ट्रक्शन ऑफिस की आड़ में चल रहा था।

मोटा वराछा के लजामणि चौक स्थित मेरिडियन बिजनेस सेंटर में मौजूद ''सनराइज डेवलपर्स'' की ऑफिस से यह अवैध गतिविधियाँ संचालित हो रही थीं। जांच में सामने आया है कि यहां दो मुख्य गैरकानूनी गतिविधियां चलती थीं:

* SEBI की अनुमति के बिना Castilo 9 और Stock Gro2 जैसे सॉफ्टवेयर का उपयोग कर डब्बा ट्रेडिंग,

और "BET FAIR.COM", "NEXON EXCH.COM", "PAVANEXCH", "ENGLISH" जैसी प्रतिबंधित वेबसाइट्स पर स्पोर्ट्स सट्टेबाजी और कैसीनो गेमिंग।

ऊँचे मुनाफे और ब्लैक मनी की छूट का लालच देकर फंसाते थे लोग

आरोपी लोगों को ऊँचे मुनाफे का लालच देकर, बिना टैक्स और बिना नुकसान के ट्रेडिंग व गेमिंग करने का झांसा देते थे। साथ ही काले धन के लेन-देन की खुली छूट देते थे। इस कारण सरकार को भारी राजस्व नुकसान हो रहा था।

डब्बा ट्रेडिंग और गेमिंग ऐप्स के ज़रिए 943 करोड़ रुपये का लेन-देन सामने आया है। इसके अतिरिक्त विभिन्न बैंक खातों में 4.62 करोड़ रुपये की गतिविधियां भी दर्ज की गई हैं। ऑफिस से बरामद **पेपर कटिंग मशीन** का इस्तेमाल दस्तावेज़ों को काटकर नष्ट करने के लिए किया जा रहा था, ताकि कोई सबूत न बचे और काले धन के लेन-देन को छुपाया जा सके।

इस रैकेट के मास्टरमाइंड नंदलाल उर्फ नंदो विठ्ठलभाई गेवरिया और उसका चचेरा भाई विशाल उर्फ विक्की मनसुखभाई गेवरिया हैं।

अन्य गिरफ्तार आरोपी हैं:

*भावेश जीणाभाई किहला (आर्थिक लेनदेन संभालता था)
*जयदीप कांजीभाई पीपलिया
*नवनीत चतुरभाई गेवरिया
*भाविन अरविंदभाई हीरपरा (सॉफ्टवेयर डेवलपर)
*बकुल मगनभाई तरसरिया
*साहिल मुकेशभाई सुवागिया (कॉलर)

SOG की जांच में यह सामने आया है कि 250 से अधिक लोगों** ने इन प्लेटफॉर्म्स के ज़रिए ऑनलाइन गैंबलिंग और ट्रेडिंग की थी। ग्राहकों को अवैध सॉफ्टवेयर के जरिए यूज़र आईडी और पासवर्ड दिए जाते थे।

SOG ने 17.30 लाख रुपये का माल जब्त किया जिसमें शामिल हैं:

19 मोबाइल फोन
4 लैपटॉप
10.05 लाख नकद
13 सिमकार्ड
31 पासबुक
87 चेकबुक
2 डेबिट कार्ड
1 रंगीन प्रिंटर
1 पेपर कटिंग मशीन
इनवॉइस फाइलें

DGP विकास सहाय को 3 महीने का एक्सटेंशन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के पुलिस प्रमुख विकास सहाय को तीन महीने का सेवा विस्तार दे दिया गया है। अब वे 30 सितंबर 2025 तक DGP पद पर कार्यरत रहेंगे। आज ही विकास सहाय सेवानिवृत्त होने वाले थे और पुलिस भवन में उनकी विदाई की तैयारियां भी हो चुकी थीं, लेकिन अंतिम क्षणों में सरकार ने उन्हें सेवा विस्तार देने का निर्णय लिया। इससे अगले ष्ठत्रक्क को लेकर चल रही चर्चाओं पर फिलहाल तीन महीने के लिए विराम लग गया है।

वर्तमान DGP विकास सहाय ने एक ज़िले में SP के रूप में कार्य किया था, लेकिन उसके बाद उन्हें लंबे समय तक साइड पोस्टिंग पर रखा गया था। भले ही राज्य में एक ही सरकार रही, फिर भी उन्होंने रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, कराई पुलिस अकादमी जैसी संस्थाओं में साइड पोस्टिंग पर लंबा समय बिताया।

आशिष भाटिया के रिटायर होने के बाद, वरिष्ठता के आधार पर विकास सहाय को DGP पद का मौका मिला। वे सेवा काल में विवाद से दूर रहे हैं। हालांकि उनके कार्यकाल में SMC की CID क्राइम में जांच चर्चा का विषय बनी थी, और यह आरोप भी लगे थे कि उन्होंने कुछ पुलिसकर्मियों की संदिग्ध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की।

राज्य सरकार की ''गुड बुक'' में रहे और कड़क छवि वाले IPS अधिकारी शिवानंद झा को भी DGP के रूप में सेवा विस्तार दिया गया था। उन्होंने कोरोना काल में पुलिस बल को मुस्तैद रखा और कार्यवाही में सख्ती बरती। उनके बाद आशीष भाटिया को DGP बनाया गया, लेकिन उन्हें भी 2 साल की अवधि पूरी करने के बाद सेवा विस्तार मिला। संजय श्रीवास्तव जैसे वरिष्ठ IPS अफसर को रिटायरमेंट में कम समय शेष होने के कारण DGP नहीं बनाया गया। अब विकास सहाय एक्सटेंशन पाने वाले तीसरे DGP बने हैं।

शिवानंद झा और आशीष भाटिया के बाद एक्सटेंशन पाने वाले तीसरे DGP, 30 सितंबर 2025 तक रहेंगे कार्यरत

विकास सहाय 1989 बैच के IPS अधिकारी हैं। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल नेशनल पुलिस अकादमी, हैदराबाद से प्रशिक्षण लिया था। वे 1998-99 में संयुक्त राष्ट्र के पीस कीपिंग मिशन में बोस्निया-हर्जेगोविना में कार्यरत रहे। इसके बाद उन्होंने SP आनंद, SP अहमदाबाद ग्रामीण, DCP अहमदाबाद सिटी ज़ोन II व III, DCP ट्रैफिक, और एडिशनल CP ट्रैफिक समेत कई अहम पदों पर कार्य किया। विकास सहाय ने 2005 में अहमदाबाद शहर में, 2007-08 में सूरत में एडिशनल CP रेंज I और जॉइंट CP रेंज I के रूप में कार्य किया। 2009 में IG सिक्योरिटी और 2010 में IG CID और इंटेलिजेंस ब्यूरो में कार्य किया। उनका करियर टर्निंग पॉइंट तब आया जब उन्हें देश की पहली पुलिस यूनिवर्सिटी ''रक्षाशक्ति यूनिवर्सिटी'' की स्थापना के लिए चुना गया - जो गुजरात सरकार का एक प्रमुख प्रोजेक्ट था।

DGP की नियुक्ति प्रक्रिया और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन

* **DGP** की नियुक्ति राज्य के सबसे वरिष्ठ IPS अधिकारियों में से होती है।
* PSC इसमें अहम भूमिका निभाती है।
* राज्य सरकार वरिष्ठ अधिकारियों की सूची केंद्र को भेजती है।
* UPSC उस सूची में से योग्य अधिकारियों का पैनल बनाकर राज्य सरकार को भेजता है।
* आम तौर पर सूची में ऐसे अधिकारी होते हैं जिनकी रिटायरमेंट में कम से कम 6 महीने बचे हों।
* PSC ''सिनियोरिटी कम मेरिट'' के आधार पर सूची तैयार करता है।
*चयनित अधिकारी को स्वाभाविक रूप से 2 साल का कार्यकाल मिलता है।

राजनीतिक समीकरण और अंदरूनी खींचतान

*आमतौर पर सरकार उन्हीं अधिकारियों को DGP बनाती है जो उसकी ''गुड बुक'' में होते हैं, क्योंकि उन्हें 2 साल तक हटाया नहीं जा सकता।
* कभी-कभी सरकार सुपरसिड करके किसी जूनियर को भी ष्ठत्रक्क बना सकती है, लेकिन गुजरात में ऐसा अभी तक नहीं हुआ है।
* किसी अधिकारी को DGP बनने से रोकने के लिए लॉबी बनाकर एक्सटेंशन दिलाने जैसी रणनीति भी चली है।
* अतीत में ऐसे किस्से सामने आए हैं जहां एक अधिकारी को रोकने के लिए पूरा गुट सरकार तक जानकारी पहुंचाता था।

गुजरात सरकार ने विकास सहाय को 3 महीने का सेवा विस्तार देकर DGP पद पर वर्तमान स्थिरता को बनाए रखा है। इससे यह साफ है कि राज्य सरकार फिलहाल किसी विवाद या नई नियुक्ति के बजाय अनुभवी नेतृत्व पर भरोसा जता रही है।

अहमदाबाद के सैटेलाइट इलाके में शराब की महफिल पर पुलिस की रेड

फ्लैट में चल रही थी पार्टी दो उत्तर भारतीय युवतियां और चार युवक थे शामिल,वोडका की बोतल बरामद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के सैटेलाइट इलाके स्थित शिवराजनी चार रास्ता के पास 29 जून, रविवार की रात एक फ्लैट में चल रही शराब पार्टी पर पुलिस ने छापा मारा। इस महफिल में दो उत्तर भारतीय युवतियां और अहमदाबाद के चार युवक फ्लैट में गोल घेरा बनाकर शराब पार्टी कर रहे थे। तभी किसी ने पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसके बाद मामला सामने आया।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद के शिवराजनी क्षेत्र में स्थित च्सथ संगाथज्ज अपार्टमेंट में कुछ लोग पीजी (पेइंग गेस्ट) में रह रहे हैं। रविवार रात को पीजी में रहने वाले कुछ लोगों द्वारा हंगामा और गाली-गलौच किए जाने की सूचना सैटेलाइट पुलिस को मिली थी। इसके बाद सैटेलाइट पुलिस मौके पर पहुंची और फ्लैट पर छापा मारा।

पुलिस की रेड के दौरान पाया गया कि वहां मौजूद सभी लोग नशे की हालत में थे और पार्टी कर रहे थे। पुलिस को मौके से वोडका की एक बोतल भी मिली। इस पार्टी में दो उत्तर भारतीय युवतियां भी शामिल थीं। पुलिस ने शराब सेवन करने वालों को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

इन लोगों के खिलाफ दर्ज हुई शिकायत:

1.राज निरंजनभाई साड़ीवाला (उम्र 43)
2.तुषार राजकुमार मेहता (उम्र 27)
3.विरेंद्र श्यामलाल सुथार (उम्र 27)
4.कल्याण गोपराम चौधरी (उम्र 27)

पुलिस आगे की जांच कर रही है कि पार्टी में शराब कहां से लाई गई और क्या अन्य लोग भी शामिल थे।

सूरत में नकली सोने के आभूषण बनाने वाले रैकेट का पर्दाफाश

बेरोजगार कारीगरों, सेल्समेन, रिक्शा चालक को एक चेन बेचने पर देते थे 5000 रुपए, 20 करोड़ की ठगी की आशंका

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के जोन-1 के DCP की LCB स्क्वॉड और सरथाणा पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन में नकली सोने के आभूषण बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस रैकेट का मुख्य सरगना विवेक वाघेला बेरोजगार रत्नकला कारीगरों, सेल्समेन और रिक्शा चालकों को एक नकली चेन बेचने के 5000 रुपए देता था। साथ ही जिस घर में आभूषण बनाने की मशीन लगाई जाती थी उसका किराया भी वह 1000 रुपए प्रतिमाह देता था।

पुलिस को जानकारी मिली थी कि उत्राण थाना क्षेत्र के वेलंजा की रुद्राक्ष सोसाइटी में नकली सोने के आभूषणों का कारखाना चलाया जा रहा है। यह गिरोह गहनों के हुक में केवल 23% असली सोना मिलाकर,बाकी नकली धातु से गहने बनाता था और उस पर हॉलमार्क की मुहर लगाकर बेच देता था। यह कारखाना पिछले दो साल से चल रहा था। मुख्य आरोपी विवेक प्रवीण वाघेला पहले गिर-सोमनाथ के उना में ज्वेलरी का व्यवसाय करता था और बाद में सूरत आकर ऑनलाइन व्यापार शुरू किया, लेकिन असफल होने पर नकली चेन बनाने का धंधा शुरू किया।

आरोपी शिव मंदिर ज्वेलर्स, योगी चौक में नकली चेन बेचने गया था, लेकिन ज्वेलर को शक हुआ और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने छापा मारकर तीन नकली चेन,गहने बनाने की मशीन, और हॉलमार्क की मुहर जब्त की।

रुद्राक्ष पैलेस, वेलंजा में अनिल मकवाना के फ्लैट में मशीनें लगाकर नकली गहने बनाए जाते थे। इसके बदले विवेक उसे 1000 रुपए किराया देता था।

नकली गहनों पर हॉलमार्क लगाने के लिए राहुल तुषार मोरे और गमेश पवार नाम के दो लोग 20,000 रुपए प्रति मुहर लेते थे।

वे गहनों के हुक पर 22 कैरेट बीआईएस प्रमाणित हॉलमार्क की मुहर लगाते थे।

विवेक ने बेरोजगारों की एक टीम बनाई थी, जिसमें शामिल थे:

* रत्न कारीगर हर्षभाई खंटाणा (रबारी)
* ड्राइवर अनिल उर्फ डॉन माकवाना
* पान की दुकान चलाने वाला राहुल खांभलिया
* रिक्शा चालक रसिकभाई उर्फ बुद्धो खांभलिया

इन सभी को चेन बेचने पर मुनाफा बाँटा जाता था। एक चेन बेचने पर 5000 रुपए दिए जाते थे।

अब तक ज्वेलर्स और गोल्ड लोन कंपनियों से 20 करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी की आशंका

* विवेक और उसके साथियों ने सूरत के वराछा, कपोद्रा, सरथाणा इलाकों के ज्वेलर्स को निशाना बनाया।
* इसके अलावा, गोल्ड लोन फाइनेंस कंपनियों को भी इन नकली गहनों को गिरवी रखकर धोखा दिया गया।
* पुलिस को आशंका है कि पिछले दो वर्षों में इस गिरोह ने 20 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी की है।

फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है और इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है, इसकी जांच जारी है।

सूरत पुलिस ने 28 साल से फरार हत्या के प्रयास और दंगे के आरोपी को पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर की पुलिस ने उधना पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या के प्रयास और दंगे (रायोटिंग) के गंभीर मामले में पिछले 28 वर्षों से फरार चल रहे वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम सोमनाथ उर्फ सुमन गुरुचरण नायक (उम्र 49 वर्ष) है। पुलिस को सूचना मिली थी कि यह आरोपी वर्तमान में सूरत के भेस्तान क्षेत्र के प्रमुख पार्क में स्थित एक लूम्स फैक्ट्री में पिछले 5 महीनों से मजदूरी का काम कर रहा है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस की सर्विलांस टीम ने तुरंत कार्रवाई कर आरोपी को दबोच लिया।

नाम: सोमनाथ उर्फ सुमन गुरुचरण नायक उम्र: 49 वर्ष
नौकरी:लूम्स फैक्ट्री में मजदूर
वर्तमान निवास: मकान नंबर 93, गणेश प्रभाकर जाधव का मकान, नवानगर, लिम्बायत, सूरत मूल निवास: ग्राम करंजा, थाना महाकालपारा, जिला केंद्रपाड़ा, ओडिशा राज्य

1998 में उधना पुलिस थाने में हत्या के प्रयास और रायोटिंग जैसे गंभीर आरोपों में उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद से वह लगातार फरार था। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि इतने सालों में वह कहां-कहां छिपा रहा और किन-किन लोगों से उसका संपर्क था।